



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड—1  
PART I—Section—1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

M28  
28/11/97

सं० 168 ]  
No. 168 ]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, सितम्बर 4, 1997/भाद्र 13, 1919  
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 4, 1997/BHADRA 13, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1997

**विषय :—** थाइलैंड, कोरिया गणराज्य और इंडोनेशिया से पी टी ए के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक निष्कर्ष

सं. 14/1/96-ए डी डी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क का अभिनिर्धारण आकलन तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 को देखते हुए :

**क. क्रियाविधि—**

जांच के संबंध में अधोलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है :—

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात प्राधिकारी भी कहा जाएगा) को उपर्युक्त नियमावली के तहत मैसर्स बाम्बे डाईंग एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लि. (जिसे इसके बाद बाम्बे डाईंग अथवा बी डी एम सी कहा जाएगा) और रिलायंस इंडस्ट्रीज, लि. (जिसे इसके बाद रिलायंस या आर.आई.एल. कहा जाएगा) घरेलू उद्योग की ओर से दो अलग-अलग लिखित आवेदन प्राप्त हुए जिनमें थाइलैंड, कोरिया गणराज्य (जिसे इसके बाद कोरिया या कोरिया गणराज्य कहा जाएगा तथा इंडोनेशिया गणराज्य) जिसे इसके बाद इंडोनेशिया कहा जाएगा (मूल के या वहां से निर्यात किए गए पीटीए के पाटन का आरोप लगाया गया था) रिलायंस में मलेशिया पर भी कथित पाटन का आरोप लगाया है।
- (ii) एसवीसी सुपरचैम लि. और इंडियन पेट्रोकेमिकल कारपोरेशन लि. ने भी पीटीए के पाटन पर अपनी चिंता व्यक्त की है। जहां एसवीसी सुपरचैम ने सुदूर पूर्व के उत्पादकों द्वारा पाटन पर चिंता व्यक्त की, वहां आईपीसीएल ने कोरिया गणराज्य, इंडोनेशिया तथा सुदूर पूर्व द्वारा पाटन पर चिंता व्यक्त की ;
- (iii) बीडीएमसी द्वारा दिए गए आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछेक कमियों का पता चला था। जिनमें याचिकाकर्ता दस्तावेज के रूप में बाद में संशोधन किया। इसके बाद आवेदन पर समुचित विचार किया गया।
- (iv) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर कोरिया गणराज्य, इंडोनेशिया तथा थाइलैंड से पीटीए के आयात के विरुद्ध जांच शुरू करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने उक्त नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में इन देशों के दूतावासों को सूचित कर दिया था।

- (v) प्राधिकारी ने 20 दिसम्बर, 1997 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित किया गया जिसके द्वारा थाइलैंड, इंडोनेशिया और कोरिया गणराज्य (इसके बाद इन्हें सम्बद्ध देश कहा जाएगा) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीटीए के आयातों के संबंध में प्रतिपादन जांच शुरू की गई। पीटीए सीमाशुल्क टैरिफ, अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क शीर्ष 291736 के तहत वर्गीकृत हैं।
- (vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात सभी निर्यातकों (जिनका विवरण याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध करवाया गया था) और उद्योग संगठनों को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर दिया।
- (vii) प्राधिकारी ने भारत में पीटीए/डीएमटी के ज्ञात सभी आयातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि पत्र मिलने के चालीस दिनों की भीतर लिखित में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराएं।
- (viii) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से भी अनुरोध किया गया कि जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में किए गए पीटीए के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें। लेकिन सीबीईसी से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई।
- (ix) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की प्रतियाँ संबद्ध देशों के सभी ज्ञात निर्यातकों तथा दूतावासों को भी प्रदान की याचिका की प्रति अनुरोध करने पर अन्य इच्छुक पार्टियों को भी उपलब्ध कराई गई।
- (x) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी :
- \* सुनक्योंग इण्डस्ट्रीज लि., कोरिया गणराज्य (इसके बाद इन्हें सुनक्योंग कहा जाएगा);
  - \* सैमसुंग पैट्रोकेमिकल्स कं. लि., कोरिया गणराज्य (इसके बाद इसे सैमसुंग कहा जाएगा);
  - \* कोहाप पेट्रो कैमिकल कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य (इसके बाद इसे कोहाप कहा जाएगा);
  - \* दुनटैक्स पैट्रोकेमिकल्स (थाईलैंड) पब्लिक कं. लि., थाईलैंड (इसके बाद इसे दुनटैक्स कहा जाएगा);
  - \* पर्टीमोना, इंडोनेशिया
- अनेक पार्टियों ने समय बढ़ाने के लिए अनुरोध किया था जिसके लिए प्राधिकारी द्वारा दो सप्ताह का समय बढ़ाने की अनुमति दी गई। प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित द्वारा पेश किया गया :
- \* सैमसुंग
  - \* कोहाप
  - \* दुनटैक्स
  - \* सुनक्योंग
- (xi) सम्बद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच के संबंध में सूचना दी गई जिसमें यह अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का निर्धारित समय के अंदर उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियाँ निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित दूतावासों को भी भेजी गई थीं।
- (xii) भारत में पीटीए/डीएमटी के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को भी एक प्रश्नावली भेजी गई जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी :
- \* संघी पोलिस्टर्स लि., हैदराबाद
  - \* उड़ीसा सिंथेटिक्स लि., कलकत्ता
  - \* पारस रामपुरिया सिंथेटिक्स लि., नई दिल्ली
  - \* जे. सी. टी. लि., होशियारपुर
  - \* इंडियन आर्गेनिकल्स कैमिकल्स लि., मुंबई
  - \* इंडिया पोलिफाइबर्स लि., लखनऊ
  - \* फ्यूटूरा पोलिमर्स, मद्रास
  - \* डी सी एल लि., नागपुर
  - \* के. सिंथेटिक्स लि., कानपुर

- \* रेमण्ड सिंथेटिक्स लि., इलाहाबाद
- \* इंडोरमा सिंथेटिक्स लि., धार
- \* पर्ल इंजीनियरिंग पोलिमर्स लि., नई दिल्ली
- \* गरवारे पोलिस्टर्स लि., औरंगाबाद

अनेक पार्टियों ने समय बढ़ाने के लिए अनुरोध किया जिसके लिए प्राधिकारी द्वारा दो सप्ताह का समय बढ़ाने की अनुमति दी गई। प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित पार्टियों ने दिया।

- \* जे. सी. टी. लि.
- \* इंडोरमा सिंथेटिक्स लि.
- \* जे. के. सिंथेटिक्स लि.
- \* उड़ीसा सिंथेटिक्स लि.
- \* पारसरामपुरिया सिंथेटिक्स लि.
- \* डीसीएल पोलिस्टर्स, लि.
- \* इंडियन आग्रेनिक्स

(xiii) याचिकाकर्ताओं से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उन्होंने प्रस्तुत कर दी थी।

(xiv) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं के परिसरों में मौके पर जांच की।

(xv) प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी गई पब्लिक फाइल के रूप में विभिन्न इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का गैर-गोपनीय रुपांतर उपलब्ध कराया जिसे इच्छुक पार्टियों के निरीक्षण के लिए रखा गया।

(xvi) संबंधित माल के उत्पादन की इष्टतम लागत, निर्माण लागत तथा भारत में उसकी बिक्री लागत का जायजा लेने के लिए लागत जांच भी की गई। यह जांच सामान्य स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना पर आधारित थी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि क्या डंपिंग मार्जिन से कम प्रतिपादन शुल्क घरेलू हानि को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

(xvii) इस अधिसूचना में "\*\*\*\*" का आशय यह है कि इच्छुक पार्टियों द्वारा उक्त सूचना गोपनीय आधार पर तथा प्राधिकारी द्वारा नियमों के तहत विचार किये अनुसार प्रस्तुत की गई है।

(xviii) यह जांच 1 अप्रैल, 1996 से 31 अक्टूबर, 1996 तक की अवधि के लिए की गई थी।

## ख. याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में और बाद में पेश किए गए कागजातों में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

- \* नियमों के तहत "समान वस्तु" की परिभाषा के अर्थ के अंतर्गत तकनीकी तथा वाणिज्यिक दोनों रूपों में पीटीए, डीएमटी के समान वस्तु है। ऐसा निम्नलिखित से स्पष्ट दिखाई देता है।
- \* डीएमटी और पीटीए दोनों पोलिस्टर के विनिर्माण में प्रयुक्त की जाने वाली तकनीकी रूप से वैकल्पिक कच्ची सामग्री हैं।
- \* ड्यूल फीड यूजर्स में डीएमटी से पीटीए या इसके विपरीत आसानी से परिवर्तित हो सकता है जो उपलब्धता और वाणिज्यिक अनुचितन पर निर्भर करता है।
- \* पीएसएफ, पीएफवाई तथा पोलिस्टर फिल्म को प्रतियोगी वातावरण में बेचा जाता है जहां उत्पाद की गुणवत्ता तथा कीमत निर्णायक कारक होती हैं न कि विनिर्माण के लिए प्रयुक्त प्रक्रिया अथवा प्रयुक्त कच्ची सामग्री। डीएमटी के उत्पादक यह सुनिश्चित करते हैं कि डीएमटी की कीमतों के आधार पर ठीक उसी प्रकार से पोलिस्टर की लागत आती है जैसा कि फीड बैक के रूप में पीटीए से उत्पादित पोलिस्टर की लागत होगी। अतः पी.टी.ए. तथा डीएमटी के बीच वाणिज्यिक समानता है जो एक देश से दूसरे देश में तथा एक स्थान से दूसरे स्थान पर अलग-अलग होती है।

उपयुक्त से यह स्पष्ट है कि डीएमटी तथा पीटीए अन्तः परिवर्तनीय उत्पाद हैं और उनकी कीमतों का संबंध यह सुनिश्चित करने से है कि अन्तिम उत्पाद की लागत इसके उत्पादक के लिए एक जैसी रहती है।

- \* डीएमटी की कीमतों का पीटीए की कीमतों से गहरा संबंध है। बीडीएमसी को डीएमटी की अपनी कीमतों उन उपभोक्ताओं के लिए भी कम करनी पड़ी जो पीटीए की गिरती हुई कीमतों के कारण पीटीए का उपयोग नहीं कर सकते थे। इसका परिणाम यह हुआ कि पीटीए के आयातों की डंपिंग से उसे क्षति हुई।
- \* सम्बद्ध देशों से पीटीए निर्यात कीमत उन मात्राओं पर होनी चाहिए जो मई-नवम्बर, 1996 के बीच भारत में उतारी गई थी क्योंकि डीएमटी की कीमतें पीटीए की उन कीमतों पर आधारित होती हैं जिन कीमतों पर आर्डर बुक किए जाते हैं।
- \* वर्ष 1996—2000 के लिए अनुमानित डीएमटी/पीटीए की नई क्षमताओं की दृष्टि से सम्बद्ध देशों के आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने का खतरा है।
- \* घरेलू उद्योग को हुई क्षति की प्रतिपूर्ति करने के लिए 25% तक के प्रतिपाटन शुल्क की आवश्यकता है।

#### ग. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों का सारांश नीचे दिया गया है :—

##### (1) जांच शुरू करने के बारे में

- (i) बाम्बे डाईंग ने 20-12-96 को याचिका दायर की और 20-12-1996 को ही जांच की गई। यह अकल्पनीय है कि प्राधिकारी को 20-12-96 याचिका प्राप्त हुई उसमें दिए गए तथ्यों का विश्लेषण किया और पाटन तथा क्षति के बारे में प्रथम दृष्टया विचार बनाया और उसी दिन निर्यातक देशों की सरकारों को सूचित किया तथा जांच शुरू की गई। आई पी सी एल ने 10-10-96 को बाम्बे डाईंग की याचिका का समर्थन किया जबकि याचिका 20-12-96 को दायर की गई थी। ऐसा प्रतीत होता है कि प्राधिकारी ने निर्यातक देशों की सरकारों को सूचना ही नहीं दी थी।
- (ii) आई पी सी एल ने कोरिया गणराज्य तथा इण्डोनेशिया से पाटन का आरोप लगाया है जबकि बाम्बे डाईंग ने थाईलैंड पर भी पाटन का आरोप लगाया है। जिन देशों से पाटन किए जाने का आरोप लगाया गया, उन पर भी याचिकाकर्ताओं के बीच मतभेद हैं। इसे प्राधिकारी द्वारा जांच की शुरुआत करने के मामले में पारदर्शिता पर भी सन्देह होता है।
- (iii) प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बारे में साक्ष्य पर्याप्तता तथा उपयुक्तता के बारे में भी समुचित ध्यानपूर्वक अपनी संतुष्टि नहीं की है। बाम्बे डाईंग द्वारा किए गए दावों तथा दिए गए साक्ष्यों के प्रकाश में यह स्पष्ट है कि याचिका में कई असंगत आंकड़े दिए गए हैं। याचिकाकर्ता ने उच्चतम लैंडिड सी एंड एफ निर्यात कीमत की तुलना में 26-7-96 को सुदूर पूर्व में पीटीए की घरेलू कीमत पर आधारित 23.1% की प्रतिपाटन शुल्क को न्यायसंगत बताया है। किसी ऐसी एकता सामान्य कीमत पर आधारित डंपिंग को न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता जो किसी विशेष देश के लिए नहीं है अपितु सम्पूर्ण "सुदूर पूर्व" से संबंधित है और वह भी ऐसी कीमत जो एक खास दिन अर्थात् 26-7-96 को प्रचलित थी। इसी प्रकार यह कथन भी निराधार प्रतीत होता है कि भारत में आयात 460—521 अमरीकी डालर के बीच हुए हैं। 23.1% के पाटन का दावा मान्य है तथा इसे नजरअन्दाज किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने 25% न्यूनतम शुल्क लगाने के लिए अनुरोध किया है।

##### (2) समान वस्तुओं पर :

डीएमटी और पीटीए नियम 2(ख) के अर्थ में समान वस्तुएं नहीं हैं। इस तर्क का समर्थन निम्नलिखित के द्वारा किया गया है :

- (i) समान वस्तु का तात्पर्य उस वस्तु से है जो सभी तरह से समान हों। जांच के अधीन वस्तु पीटीए है और आर आई एल द्वारा भारत में उसी तरह के उत्पाद का निर्माण किया जा रहा है घरेलू बाजार तथा निर्यात बाजार में बिल्कुल समान उत्पाद को मौजूदगी की दृष्टि से यह जांच केवल पीटीए के घरेलू उत्पादकों को हुई वास्तविक क्षति के संबंध में ही होनी चाहिए।

नियम 2(ख) में विशेष रूप से यह व्यवस्था है कि सभी मामलों में समान वस्तु के अभाव में जांच के अधीन वस्तु से बहुत मिलती जुलती विशेषताओं वाली अन्य वस्तुओं पर विचार किया जाना चाहिए।

चूंकि आई आई एल भारत में पीटीए का एकमात्र विनिर्माता है और घरेलू उद्योग की परिभाषा के भीतर शामिल करने के अयोग्य ठहराया गया है, इसलिए भारत के अन्दर समान वस्तु का ऐसा कोई विनिर्माता नहीं है जो पीटीए की डंपिंग के लिए याचिका दायर करने का पात्र हो। इसलिए जांच अपने मौजूदा रूप में अमान्य है।

- (ii) भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ में पीटीए और डी.एम.टी. के वर्गीकरण के लिए अलग-अलग शीर्ष दिए गए हैं। जहां पीटीए को 2917.36 के तहत वर्गीकृत किया गया है वहां डीएमटी को 2917.37 के तहत वर्गीकृत किया गया है।
- (iii) पी.टी.ए. तथा डीएमटी का रसायनिक फार्मूला अलग-अलग है। पीटीए का लोलीक्यूलर भारत 166 है जबकि डीएमटी का 194 है।
- (iv) हॉले के संघनित रसायन शब्दकोश ने डीएमटी तथा पीटीए का वर्णन किया है जिसमें कहा गया है कि डीएमटी तथा पी.टी.ए. का अन्तिम प्रयोग अलग-अलग है। जहां डीएमटी का प्रयोग फिल्म तथा फाइबर के उत्पादन में किया जाता है। वहां पी.टी.ए. का इस्तेमाल इसके अतिरिक्त उनमें एलकली के लिए रिजेंट के रूप में तथा पोल्स्टरी फोल्ड्स के लिए योगज (एडीटिव) के रूप में भी किया जाता है।

(v) पी टी ए और डी एम टी सार्वभौमिक रूप से प्रतिस्थापना योग्य नहीं हैं। जहां यह सत्य है कि पी टी ए और डी एम टी दोनों का ही प्रयोग फाइबर के निर्माण के लिए होता है, वहां याचिकाकर्ता ने स्वयं स्वीकार किया है कि घरेलू पोलिस्टर उत्पादक के पास पी. टी. ए. की ओर जाने का विकल्प है, अगर उसके पास दोनों उत्पादन-सामग्रियों के इस्तेमाल को ( ड्यूल फीड ) सुविधाएं उपलब्ध हो.....'' (विवादी द्वारा इस बात पर बल दिया गया है)। अतः यह बिल्कुल स्पष्ट है कि पी.टी.ए. और डी.एम.टी बिल्कुल भिन्न उत्पाद हैं और परस्पर रूप से इनका इस्तेमाल करने के लिए ड्यूल फीड व्यवस्था होनी चाहिए।

(iii) पाटन पर :

डंपिंग का निर्धारण करने के लिए घरेलू बिक्री कीमतों में अनेक कीमत संबंधी समायोजन किए जाने की आवश्यकता है। इन अनुभव समायोजनों को हिसाब में लेते हुए याचिकाकर्ता द्वारा बताए गए अंतर से की तुलना में डंपिंग मार्जिन काफी कम होगा।

(iv) क्षति पर :

(i) भारत में पी.एफ.एफ. के विनिर्माताओं जिनके पास प्रौद्योगिकी और संयंत्र स्ट्रक्चर है को मुख्यतः तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है जो निम्नलिखित का उपयोग कर सकते हैं :

- \* केवल पी टी ए
- \* केवल डी एम टी
- \* पी टी ए तथा डी एम टी दोनों।

आर.आई.एल., इंडो रमा, उड़ीसा सिंथेटिक जैसे विनिर्माता डीएमटी का बिल्कुल भी उपयोग नहीं कर सकते हैं। बी आर पी एल, स्वदेशी पोलिटैक्स केवल डीएमटी का इस्तेमाल कर सकते हैं। जेसीटी, इंडिया फोलिफाइबर्स, इंडियन ऑर्गेनिक कैमिकल्स (आई ओसी) और जे.के. सिंथेटिक्स डी.एम.टी. और पी.टी.ए.दोनों का ही इस्तेमाल कर सकते हैं। अतः ऐसे चार विनिर्माता हैं जो पी.टी.ए. तथा डीएमटी को एक दूसरे के बदले में इस्तेमाल कर सकते हैं और उनके पीटीए के आयात से ही डीएमटी के विनिर्माताओं को क्षति पहुंच सकती है, यदि ऐसा संभव है तो इस परिप्रेक्ष्य में समान वस्तुओं के रूप में पी.टी.ए. तथा डीएमटी की बराबरी करना और यह विचार करना कि पीएसएफ के विनिर्माताओं द्वारा पीटीए के आयात के डी.एम.टी. के विनिर्माताओं को क्षति हो सकती है, अत्यन्त तर्कहीन लगता है। लगता है कि इस पहलू पर प्राधिकारी का भारत में ध्यान गया ही नहीं है।

(ii) प्राधिकारी के उत्तर में पीएसएफ के विनिर्माताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से डीएमटी तथा पीटीए की आयातित तथा घरेलू खरीद के विश्लेषण से पता चलता है कि पीटीए के आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

(क) आईओसी तथा जे.के.एस. ने 1995-96 तथा 1996-97 के दौरान डीएमटी का प्रयोग नहीं किया, अतः इससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो सकती है।

(ख) जेसीटी ने पिछले तीन वर्षों के दौरान तीनों देशों में से किसी से भी पीटीए का आयात नहीं किया है। वास्तव में जेसीटी ने अपनी घरेलू खरीद (1995-96) 1458 मी. टन से बढ़ाकर 20072 मी. टन (1996-97) तक की है।

(ग) आईपीएल ने तो तीनों संबंध देशों से आयात किया और न ही कोई घरेलू खरीद की है। उन्होंने भी संबंध देशों से डीएमटी का कोई आयात नहीं किया है।

(घ) जेकेएस ने इन तीनों देशों से अपने आयातों को जो 1995-96 में 5516 मी. टन थे, घटा कर 1996-97 में 510 मी. टन कर दिया।

(ङ) परसुरामपुरिया (जो डीएमटी तथा पीटीए का उपयोग करता है) ने न तो संबंध देशों से आयात किया है और न ही घरेलू बाजार से इसकी खरीद की है। उन्होंने डीएमटी का आयात भी नहीं किया है।

(च) डी सी एल पालिस्टर केवल पीटीए का उपयोग करते आ रहे हैं और भारत के अन्दर उनका स्रोत करीब-करीब एक ही रहा है।

(छ) रेमण्ड सिन्थेटिक्स ने डी एम टी का आयात नहीं किया है, यद्यपि उनका घरेलू स्रोत 13531 एम टी (1995-96) से घटकर 2796 एम टी (1996-97) हो गया। रेमण्डस सिन्थेटिक्स द्वारा किए गए आयात में या पीटीए के घरेलू स्रोत की मात्रा में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई।

(iii) आर आई एल अपनी स्थापित क्षमता के 125% से भी ज्यादा पर प्रचालन कर रहा है। आर आई एल द्वारा पीटीए की निश्चित खपत में वर्ष दर वर्ष वृद्धि होती जा रही है जिसके साथ-साथ घरेलू बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध पीटीए की मात्रा में तदनुसार गिरावट होती आ रही है।

(iv) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान बी डी एम सी का क्षमता उपयोग 80-85% के बीच रहा है। वर्ष 1995-96 तथा 1996-97 में बी डी एम सी की बिक्री में भी करीब 18% की वृद्धि हुई है। पाटित या अन्य प्रकार से आयात के कारण बाजार हिस्से की हानि वास्तविकता से कहीं ज्यादा हुई है।

- (v) आर आई एल, बी डी एम सी, आई पी सी एल इन सभी को काफी लाभ हुआ है। हालांकि ये कम्पनियां बहु-उत्पाद वाली कम्पनियां हैं फिर भी यह एक आम बात है कि इनके प्रत्येक उत्पाद का प्रचालन लाभप्रद रहा है।
- (vi) आर आई एल और बी डी एम सी दोनों के लिए डी एम और पी टी ए की कीमतों में गिरावट सीमाशुल्क के 35% से घटकर 27% कर दिए जाने के कारण हुई है।
- (vii) अंतर्राष्ट्रीय कीमत में गिरावट का प्रभाव घरेलू कीमतों पर पड़ता है भले ही आयात डम्प हुआ है या नहीं इस प्रकार घरेलू प्राप्ति में कमी का कारण पीटीए की अंतर्राष्ट्रीय कीमत में गिरावट और सीमाशुल्क में कमी के कारण आई है। पैरेक्सलीन की कीमतों में गिरावट से भी घरेलू कीमतें में गिरावट आई है। पैरेक्सलीन की कीमतें 1036 यू एस डालर (क्यू 1, 1996) से गिरकर यू एस डालर 760 ((क्यू 2, 1996) एवं यू एस डालर 419 (क्यू 3, 1996) प्रति मी. टन हो गई।

अगर बिक्री कीमतों में आई कमी का समायोजन उपर्युक्त कारकों के लिए किया जाए तब ऐसा देखा जाएगा कि पी टी ए की आयात कीमतों और भारत में कीमत में मंदी के बीच कोई कार्य कारण संबंध नहीं है।

**(5) अन्य मुद्दे :**

- (i) सीमा शुल्क में विसंगतियां हैं, जिन्हें इच्छुक पक्षों की जोरदार दलील के बाद भी भारत सरकार ने सुधार नहीं किया है;
- (ii) पी टी ए/डी एम टी का उत्पादन विश्व में विशाल पैट्रोसायन कम्पनियों द्वारा किया जाता है जो कि इन वस्तुओं के भण्डारण की स्थिति में नहीं है। ये वितरक ही हैं जो बाजार स्थिति पर निर्भर करते हुए स्पॉट बाजार में जो भी कीमत मिलती है, उस कीमत पर पदार्थ को बेचना सुविधानक समझते हैं। इस प्रकार पाटन का प्रश्न कभी नहीं उठता;
- (iii) पी टी ए/डी एम टी के भारतीय उत्पादक अपनी उत्पाद की कीमतों को अतर्कपूर्ण ढंग से उच्च स्पॉट कीमतों पर रखते हैं जिसका कि भारतीय पी एस उद्योग पर तेजी से गिरावट वाला प्रभाव पड़ा;
- (iv) भारत में पी टी ए के लिए एकाधिकारी आपूर्ति की स्थिति है;
- (v) पाटन के आरोप पर पी एक्सलीन की कीमतों के संदर्भ में विचार किया जाना चाहिए ;
- (vi) जब पी टी ए/डी एम टी की कीमतें 1994-95 में बढ़कर 2000 अमरीकन डालर प्रति एम टी हो गई तब पी टी ए/डी एम टी के घरेलू उत्पादकों को भारी मुनाफा हुआ। इन उत्पादकों को लगातार लाभ हो रहा है। अब जबकि विश्व स्तर पर कीमतों में गिरावट आई है तब कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। प्रतिस्पर्द्धी बाजार शक्तियों को बराबरी के स्तर पर प्रचालन के लिए अनुमति दी जानी चाहिए।
- (vii) भारत ने डी एम टी के उत्पादकों को जिन कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है वह विश्व स्तर पर उपभोक्ताओं का डी एम टी के बदले में पी टी ए की तरफ भारी झुकाव है।
- (viii) अब पी टी ए की कीमतें बढ़ी हैं। चूंकि प्रति पाटन शुल्क में कोई ट्रिगर व्यवस्था नहीं है, इसलिए वास्तविक आयातों पर भी शुल्क का प्रभाव पड़ेगा;

**(घ) उठाए गए मुद्दों की जांच :**

4. इस रिपोर्ट को तैयार करते वक्त निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं और अन्य इच्छुक पार्टियों के निदेशक की जांच की गई है और उन पर विचार किया गया है तथा इस रिपोर्ट में उचित स्थान वर्णन किया गया है।

5. यह स्पष्ट किया जाता है कि बीडी एम सी ने 24-9-1996 को एक याचिका दायर की। याचिकाकर्ता से कहा गया था कि दायर की गई याचिका के अगोपनीय रूपान्तर की अतिरिक्त प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं जिसके कि नियम 6(3) के अनुसार उसे इच्छुक पक्षों को दिया जा सके। अतिरिक्त प्रतियां 20-12-96 को दी गई इस प्रकार इस बारे निर्यातकों द्वारा उठाए गए विवाद गलत हैं। प्राधिकारी ने निर्यातक देशों की सरकारों को 12-12-96 को अधिसूचना भेजी।

6. जहां उत्पाद डम्प किया जा रहा है, उन देशों के बारे में याचिकाकर्ताओं के बीच मतभेदों के संबंध में, प्राधिकारी ने नोट किया कि प्राधिकारी ने बी डी एम सी और रिलायंस द्वारा दायर की गई याचिका पर विचार किया है। आई पी सी एल सहित अन्य द्वारा की गई शिकायतें इस प्रयोजन के लिए आवश्यक नहीं हैं।

7. प्राधिकारी ने जांच शुरू करने से पहले नियम 5 (2) के अनुसार पाटन क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारण विषयक संबंध के बारे में प्रमाण की पर्याप्तता और अचूकता के बारे में खुद को संतुष्ट किया/किसी आवेदन में केवल तथ्यात्मक असंगतियां होने से किसी आवेदक को अपनी शिकायतों के निपटान के प्रयास से कानूनन तब तक नहीं रोका जा सकता जब तक कि आवेदक पर्याप्त प्रमाण के साथ प्रथम दृष्टया मामला प्रस्तुत नहीं करता।



## (ड) विचाराधीन उत्पाद :

8. वर्तमान जांच के उद्देश्य से इस रिपोर्ट में जिस उत्पाद पर विचार किया गया वह प्यूरीफाइड टैरीफथेलिक एसिड है (जो पी टी ए के रूप में लोकप्रिय है और जिसे इस रिपोर्ट में इसके बाद पी टी ए के रूप में उद्धृत किया जाएगा)

9. पीटीए सफेद रवा या पाउडर है; जोकि पानी, क्लोरोफार्म, इंधर, एसीटिक अम्ल में अघुलनशील है; अल्कोहल में थोड़ा घुलनशील है; क्षार में घुलनशील है; 300 सेंटीग्रेट से ऊपर के चरम तापमान पर ज्वलनशील है। पीटीए का उत्पादन पी. एक्सीलीन के आक्सीकरण या मिश्रित एक्सीलीन एवं अन्य क्षारीय सुगंधित पदार्थों से होता है। इसका उपयोग लिनियर क्रिस्टलाइन पोलिस्टर रेजिन, फाइबर और फिल्म उत्पादन में ग्लाइकोल के साथ किया जाता है; उन में क्षार के लिए रिएजेंट कुक्कुट खाद्य में मिलाने के लिए होता है। किन्तु पीटीए का मुख्य उपयोग पालिस्टर फाइबर के उत्पादन में होता है।

10. पीटीए का वर्गीकरण अध्याय 29 के अंतर्गत होता है (उप शीर्ष 2917.36 के अंतर्गत) किन्तु सीमाशुल्क वर्गीकरण उत्पादन प्रक्रिया तथा उस उत्पाद के यहां दर्शाए गए उपयोग केवल निर्देशक हैं और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

## (च) समान वस्तुएं

11. समान वस्तु की परिभाषा से संबंधित नियम 2(घ) में दिया गया है कि समान वस्तु का अर्थ उस वस्तु से है जो कि जांच के अधीन वस्तु से हर प्रकार से या तो समान है या मिलती जुलती है पर ऐसी वस्तुओं के अभाव में किसी ऐसी अन्य वस्तु से है जिसके गुण जांच के अधीन वस्तु से काफी मिलते हैं।

समान वस्तु की उपर्युक्त परिभाषा से यह स्पष्ट है कि समान वस्तु जांच के अधीन वस्तु से सभी प्रकार से समरूप या सदृश होनी चाहिए। समान वस्तु शब्द के क्षेत्र में वे वस्तुएं निश्चित रूप से शामिल होंगी जो कि हर तरह से समरूप या सदृश वस्तुओं के अभाव में जांच के अधीन वस्तुओं से काफी मिलते जुलते गुण वाली है। इस प्रकार कानून के अंतर्गत समान वस्तु शब्द की व्याख्या के लिए "की अनुपस्थिति में" शब्द का उपयोग अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह निर्विवाद है "कि अनुपस्थिति में" शब्द को घरेलू उद्योग के केवल इस परिप्रेक्ष्य में समझना होगा कि क्या समान वस्तु का उत्पादन करने वाला "घरेलू उद्योग" है या नहीं। दूसरे शब्दों में अगर समरूप वस्तु का उत्पादन करने वाला कोई घरेलू उद्योग नहीं है तब कानून प्राधिकारियों को इस शब्द के क्षेत्र में उन वस्तुओं को भी शामिल करने की अनुमति देता है जिनके गुण काफी मिलते हैं। वर्तमान मामले में पीटीए और डीएम टी के उत्पादकों द्वारा इस आधार पर याचिका दायर की गई है कि दोनों को संबद्ध देशों से पीटीए के पारित आयातों के कारण हानि हो रही है। किन्तु कानून के अनुसार घरेलू उद्योग शब्द की परिभाषा को देखते हुए पीटीए के एक मात्र उत्पादक, अर्थात् आर आई एल को शामिल नहीं किया गया है। ऐसे संकेत देने के लिए पर्याप्त प्रमाण और तकनीकी साहित्य उपलब्ध है कि यद्यपि डी एम टी/पीटीए के समरूप या सदृश नहीं है फिर भी डीएमटी, तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से पीटीए का स्थानापन्न रहा है, और इस प्रकार, यह विचार किया जा सकता है कि पीटीए की समरूप वस्तु का उत्पादन करने वाले किसी "घरेलू उद्योग" की अनुपस्थिति में इन जांचों के संदर्भ में डीएमटी ही समान वस्तु है।

## छ. घरेलू उद्योग

12. मैसर्स बाम्बे डाईंग एंड मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लिमि. तथा रिलाएन्स इण्डस्ट्रीज लि. द्वारा अलग-अलग याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं के साथ-साथ भारत में पीटीए/डीएमटी के निम्नांकित दो और उत्पादक हैं:

मैसर्स इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लिमि. बड़ोदरा

बोंगाईगांव रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमि. धारिया गांव।

13. उपर्युक्त के अलावा मैसर्स एस वी सी सुपर चेम भी पीटीए के उत्पादन के लिए सुविधाओं की स्थापना कर रहा है। किन्तु एस वी सी सुपर चेम ने अभी तक वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत नहीं की है। याचिकाकर्ताओं ने यह आरोप नहीं लगाया है कि भारत में पीटीए के आयात से भारत में उद्योग की स्थापना को वास्तविक आघात पहुंचेगा।

14. रिलायन्स ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पीटीए का आयात किया है और इस प्रकार नियम 2(ख) के अर्थ के अंतर्गत वह घरेलू उद्योग नहीं हो सकता है। बीडीएमसी का उत्पादन भारत में डीएमटी/पीटीए के कुल घरेलू उत्पादन का मुख्य अंश है। इस प्रकार नियमों के अर्थ के अंतर्गत बीडीएमसी घरेलू उद्योग बनता है।

## ज. पाठन

15. धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

- (i) समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य जब वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- (ii) जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य वस्तु की बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा;
- (क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या

- (ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत; जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए;

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहाँ वस्तु का आयात के उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल बाह्यनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

16. प्राधिकारी ने ऊपर बताई गई धाराओं के अनुसार संबद्ध देशों के निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। जिन निर्यातकों ने प्राधिकारी को सूचना भेजी है उनके संबंध में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण उनके द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर किया गया है और उसी के बारे में नीचे चर्चा की गई है। चूंकि इन निर्यातकों ने घरेलू बाजार में अपनी कीमतों के बारे में विस्तृत विवरण दिया है, इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण धारा 9 क(1)(ग)(i) के अनुसार किया गया है। अलग-अलग निर्यातकों के बारे में डंपिंग मार्जिन का विश्लेषण नीचे किया गया है।

### झ. सामसुंग पेट्रोकेमिकल्स कं. लि. (सामसुंग)

17. सामसुंग ने निम्नांकित दावे किए हैं:

(क) कम्पनी ने सीधे ही भारत को निर्यात नहीं किया है। बिक्री घरेलू बाजार के असंबद्ध व्यापारी को की गई जिसमें इसके बाद वस्तुओं का भारत ने निर्यात किया कम्पनी ने कारखाना द्वार पर आधारित उसी स्थान पर स्थानीय एल सी के आधार पर नकद आधार पर बिक्री की थी। घरेलू बाजार में बिक्री या तो थोक आधार पर थी या खुदरा आधार पर थोक बिक्री (पी एस एफ उपभोक्ताओं को) असंबद्ध उत्पादकों को स्थानीय एल सी के तहत (कच्चे माल के रूप में) भुगतान आधार पर की गई।

(ख) सामसुंग ने घरेलू कीमतों और भारत को किए गए निर्यात की कीमतों में निम्नांकित कीमत समायोजन का दावा किया है:—

- (i) पैकिंग लागत: कम्पनी ने घरेलू बाजार में (बोन\*\*\* प्रति मी. टन) और निर्यात बाना में (बोन\*\*\* प्रति मी. टन) की गई बिक्री के लिए अलग-अलग पैकिंग लागत का दावा किया है। पैकिंग लागत का निर्धारण इसमें लगे सामान और श्रम लागत के आधार पर किया गया है। किन्तु यह पाया गया है कि कम्पनी ने घरेलू बाजार में पैकिंग पर श्रम लागत का दावा (बोन\*\*\*पीएमटी) निर्यात के मामले में श्रम लागत (बोन\*\*\*पी एम टी) की तुलना में ज्यादा किया है। प्राधिकारी ने दोनों बाजारों में पैकिंग पर श्रम की लागत के लिए एक ही राशि की अनुमति दी है। निर्यात के लिए संशोधित पैकिंग लागत (बोन\*\*\* पी एम टी) बैठती है, जिसकी समायोजन के रूप में अनुमति दी गई है।
- (ii) माल भाड़ा: सामसुंग ने दावा किया है कि भारत को किए गए निर्यात में उसका इनलैंड तथा जलपत्तन भाड़े के रूप में कोई खर्च नहीं हुआ है। कम्पनी ने घरेलू बाजार में बिक्री के मामले में बोन\*\*\*पी एम टी (यू एस डालर\*\*\* के माल भाड़े का दावा किया है। घरेलू बाजार में माल भाड़े के खर्च का दावा बाहरी ठेकेदार की फीस और विवरण केन्द्र के खर्च के रूप में किया गया है।
- (iii) शुल्क वापसी: कम्पनी ने शुल्क वापसी के कारण बोन\*\*\*पी एम टी (यू एस डालर\*\*\* की राशि का दावा किया है।
- (iv) ऋण संबंधी खर्च: कम्पनी ने उसके द्वारा घरेलू बाजार में दिए गए ऋण पर बाने \* \* \* पी एम टी (यू एस डालर \* \* \*) की राशि का दावा किया है। यह दावा घरेलू बाजार में की गई बिक्री की औसत वसूली अवधि (जो कि \* \* \* दिन दावा की गई है) के आधार पर तथा कम्पनी द्वारा अल्पावधि आधार पर ली गई उधार पर ब्याज दर (\* \* % दावा की गई है) के आधार पर किया गया है।
- (v) उतराई खर्च: कम्पनी ने उतराई खर्च विशेषकर ग्राहक की फैक्ट्री में स्थापित की गई उतराई सुविधाओं के लिए बोन \* \* \* पी एम टी (यू एस डालर \* \* \*) की समायोजन राशि का दावा किया है। कम्पनी ने दावा किया है कि उसने इसके लिए संबंधित अवधि के दौरान कुल बोन \* \* \* का खर्च किया है।

### II टुनटेक्स पेट्रोकेमिकल्स (थाईलैंड) पब्लिक कम्पनी लिमि. (टुनटेक्स)

18. (क) टुनटेक्स ने भारत को किए गए निर्यात की कीमत में निम्नांकित कीमत समायोजन का दावा किया है:—

इनलैंड माल भाड़ा (यू एस डालर \* \* \* प्रति एम टी)

टर्मिनल रख-रखाव शुल्क (यू एस डालर \* \* \* पी एम टी)

समुद्री माल भाड़ा (यू एस डालर \* \* \* पी एम टी)

बिल ऑफ लेडिंग शुल्क (यू एस डालर \* \* \* पी एम टी)

इनलैंड माल-भाड़े के लिए समायोजन का दावा थाईलैंड में एक परिवहन सेवा कम्पनी द्वारा उठाए गए कुछ डेबिट नोटों के आधार पर किया गया है, जिससे यह इंगित होता है कि कम्पनी को \* \* \* बृहत प्रति \* \* \* मी. टन कण्टेनर की दर से डेबिट किया गया है। समुद्री भाड़ा बी/एल फीस और रखरखाव के लिए समायोजन का दावा निर्यातक पर उठाए गए कुछ बीजकों के आधार पर किया गया है जिससे यह इंगित होता है कि कम्पनी से प्रति कण्टेनर यू एस डालर \*\*\* की दर से समुद्री भाड़े के लिए बीजक, टर्मिनल रखरखाव शुल्क (टी एम सी) के लिए प्रति कण्टेनर बृहत \*\*\* और बी/एल फीस के लिए \*\*\* बृहत वसूल किया गया है।



(ख) घरेलू बाजार में बिक्री कीमतों में निम्नांकित समायोजन का दावा किया गया है :—

\*इनलैंड माल भाड़ा (यू एस डालर \*\*\* पी एम टी);

\*बी एटी (मूल्य वृद्धि कर 7% की दर से; जिसकी राशि यू एस डालर \*\*\* पी एसएम टी है

\*व्याज (यू एस डालर \*\*\* पी एम टी)

\*शुल्क वापसी (यू एस डालर \*\*\* पी एम टी)

शुल्क वापसी के लिए समायोजन का दावा घरेलू बाजार में की गई बिक्री तथा शुल्क की राशि के आधार पर किया गया है। किन्तु यह स्पष्ट नहीं है कि कम्पनी द्वारा बताई गई शुल्क की राशि वास्तव में भुगतान की गई शुल्क की राशि है या कम्पनी द्वारा भुगतान किए जाने योग्य शुल्क की राशि है।

इनलैंड माल भाड़े के संबंध में प्रमाण (परिवहन कम्पनी द्वारा वसूल किया गया बीजक) से यह इंगित होता है कि \* \* \* एम टी माल के परिवहन के लिए \* \* \* बहत का बीजक बनाया गया है जिस पर यू एस डालर \* \* \* प्रति मी. टन खर्च हुआ जबकि कम्पनी ने यू एस डालर \* \* \* पी एम टी का दावा किया। चूंकि निर्यातक ने ऐसे प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए हैं जिससे यह पता चलता हो कि जांच अवधि के दौरान भुगतान किया गया माल भाड़ा औसतन यू एस डालर \* \* \* पी एम टी हुआ इसलिए प्राधिकारी इस के लिए यू एस डालर \* \* \* के समायोजन की अनुमति दी है।

### III सुंक्ष्योग इण्डस्ट्रीज लिमि. ( सुंक्ष्योग ) :

19. सुंक्ष्योग ने खरीद आदेश, बीजक, उतराई बिल छूट समझौता, छूट की सूचना जैसे समर्थक दस्तावेज यह दलील देते हुए प्रस्तुत नहीं किए हैं कि उनकी मात्रा काफी ज्यादा है और वे मौके पर जांच के लिए उपलब्ध हैं। सुंक्ष्योग ने बिक्री की परिस्थिति में निम्नांकित अंतर का दावा किया है।

(i) भुगतान की शर्तें : निर्यातक ने दावा किया है कि कम्पनी घरेलू बाजार के लिए करीब-करीब \* \* \* महीनों के व्यापार ऋण की अनुमति देती है जबकि निर्यात स्थान पर एल/सी के आधार पर होते हैं। निर्यातक ने तर्क किया है कि इस प्रकार उचित तुलना के लिए घरेलू बाजार में दिए गए ऋण के लिए अक्सर लागत पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

(ii) मात्रा छूट : निर्यातक ने दावा किया है कि वह घरेलू बाजार तथा निर्यात बाजारों में बिक्री की मात्रा के आधार पर छूट तथा/या बट्टा की अनुमति देता है। इस प्रकार निर्यातक ने सदृश मात्रा स्तरों के लिए कीमतों के आधार पर कीमत तुलना का तर्क दिया है।

(iii) नियमित ग्राहक और स्थान ग्राहक निर्यातक ने दावा किया है कि वह अपने नियमित ग्राहकों का अलग-अलग कीमत फार्मूला की पेशकश करता है जो कि कीमत परिवर्तन को स्थिर कर सकता है और वह इन ग्राहकों को उन कीमतों को पेशकश कर सकता है जो कि बाजार में अग्रणी व्यापारी द्वारा घोषित कीमतों पर आधारित है। नियमित ग्राहकों को निर्यात के मामले में भी इसी परिपाटी का पालन किया जाता है। निर्यातक ने दावा किया है कि यद्यपि भारत में इसके निर्यात की कीमत का निर्धारण स्थान सुपुर्दगी के आधार पर था, जिससे कि अल्पावधि के दौरान कुछ बाजार स्थितियों में बिक्री कीमत में अन्तर आ गया होगा। निर्यातक ने आगे तर्क दिया है कि स्थान ग्राहक और नियमित ग्राहक के लिए उसकी औसत कीमत करीब-करीब समान थी। उपर्युक्त को देखते हुए निर्यातक ने प्राधिकारी से एक ही प्रकार के ग्राहक पर विचार करने का अनुरोध किया है।

(iv) सुंक्ष्योग ने निम्नांकित कीमत समायोजन का दावा किया है :—

(क) निर्यात कीमत के बारे में :

दलाली : सुंक्ष्योग ने दो व्यापारिक कम्पनियों के मार्फत व्यापार किया जिनमें से एक सुंक्ष्योग से सम्बद्ध है। कम्पनी ने दावा किया है कि कोरियाई कानून के अनुसार संबद्ध और असंबद्ध पार्टियों के बीच कीमत का कोई भी भेदभाव गैर-कानूनी है। कम्पनी ने आगे संबद्ध और असंबद्ध कम्पनियों के लिए अलग-अलग संबंध के द्वारा बिक्री कीमत संरचना की व्यवस्था की है। यह पया गया है कि निर्यातक ने जिन कीमतों पर दोनों कम्पनियों को वस्तुओं की बिक्री की, उसकी तुलना की जा सकती है। कम्पनी ने संबद्ध कम्पनी को जिस दलाली का भुगतान किया गया दर्शाया है (असंबद्ध कम्पनी के द्वारा केवल एक बिक्री की गई) तथा यह दावा किया है कि असंबद्ध कम्पनी की के जरिये की गई बिक्री के मामले में कोई दलाली नहीं दी गई। कम्पनी द्वारा दिखाई गई दलाली निर्यात कीमत के \*\*\*%से \*\*\* % के बीच थी।

इनलैंड मालभाड़ा जो कि यू एस डालर \* \* \* पी एम टी से यू एस डालर \*\*\* पी एम टी के बीच है

रखरखाव शुल्क जो कि यू एस डालर \* \* \* पी एम टी से यू एस डालर \* \* \* पी एम टी के बीच है

समुद्री माल भाड़ा यू एस डालर-\*\*\* पी एम टी असंबद्ध कम्पनी के जरिए किए गए निर्यातों को छोड़कर जिसके मामले में राशि यू एस डालर \*\*\* पी एम टी है

\*शुल्क वापसी जो यू एस डालर \*\*\* पी एम टी से यू एस डालर \*\*\* पी एम टी है उपर्युक्त के लिए दावा किए गए के अनुसार समायोजन की अनुमति देना उपर्युक्त समझा गया है।

(ख) घरेलू बाजार के बारे में :

निर्यातक ने घरेलू बाजार में बिक्री कीमतों में निम्नांकित कीमत समायोजन का दावा किया है :

यू एस डालर \*\*\* से यू एस डालर \*\*\* पी एम टी के बीच इनलैंड माल भाड़ा जिसमें अप्रैल, 1996 से अक्टूबर, 1996 तक गिरावट का रुख है।

\*\*\* 1996 के महीने की एक बिक्री जहां कि दावा की गई राशि यू एस डालर \*\*\* पी एम टी है, जिस मामले में बिक्री असंबद्ध पार्टी के जरिए की गई थी, को छोड़कर अन्य सम्बद्ध उपभोक्ताओं को की गई बिक्री के लिए यू एस डालर \*\*\* पी एम टी के बीच का ऋण खर्च।

## ( IV ) कोहाप पैट्रोकेमिकल कारपोरेशन

20. कोहाप ने कोरिया गणराज्य में सामान्य मूल्य एवं भारत को किए गए निर्यात की निर्यात कीमत का दावा निम्नांकित आधार पर किया है :

( क ) बिक्री कीमत : कोहाप ने घरेलू बाजार में बिक्री कीमत तथा भारत को किए गए निर्यात की कीमत का दावा संबंधित बाजार में बिक्री से औसत बिक्री अधिप्राप्ति के आधार पर किया है। चूंकि बिक्री कीमत का दावा निर्यातक द्वारा की गई वास्तविक बिक्री तथा जांच अवधि के प्रत्येक महीने में उससे प्राप्त हुए मूल्य के आधार पर किया गया है, इसलिए प्रारम्भिक निर्धारण के लिए निर्यातक द्वारा दावा की गई कीमत को स्वीकार कर लिया गया है। घरेलू बाजार में बिक्री के मामले में निर्यातक ने दावा किया है कि वह सीमाशुल्क के अतिरिक्त है।

( ख ) भारत को किए गए निर्यात के लिए बिक्री कीमत में समायोजन: निर्यातक ने भारत में निर्यात के मामले में औसत बिक्री कीमतों में निम्नांकित समायोजन का दावा किया है। ( सारे समायोजन यू एस डालर पी एम टी में हैं ) :

- (i) पैकिंग खर्च ( \* \* \* )
- (ii) इनलैंड मालभाड़ा ( \* \* \* )
- (iii) टर्मिनल रखरखाव शुल्क ( \* \* \* )
- (iv) कन्टेनर कर ( \* \* \* )
- (v) डब्ल्यू/एफ ( \* \* \* )
- (vi) स्टफिंग ( \* \* \* )
- (vii) सीमाशुल्क ( \* \* \* )
- (viii) ब्याज ( \* \* \* )
- (ix) विदेश में माल भाड़ा ( \* \* \* )

( ग ) घरेलू बाजार में बिक्री कीमतों में समायोजन : निर्यातक ने घरेलू बाजार में बिक्री के लिए औसत बिक्री कीमत में निम्नांकित कीमत समायोजन का दावा किया है ( सभी समायोजन यू एस डालर पी एम टी में हैं ) :

- (i) इनलैंड मालभाड़ा ( \* \* \* )
- (ii) ब्याज ( \* \* \* )
- (iii) कन्टेनर कर ( \* \* \* )
- (iv) परिवहन शुल्क ( \* \* \* )
- (v) नेगो शुल्क ( \* \* \* )

ब्याज के लिए समायोजन का दावा इस आधार पर किया गया है कि घरेलू बाजार में बिक्री के लिए ऋण अवधि \* \* \* दिन हैं, जबकि निर्यात स्थान पर एल/सी आधार पर है। निर्यातक ने दावा किया है कि घरेलू बाजार में इसके दो ग्राहक हैं और एक ग्राहक को पाइपलाइनों के द्वारा आपूर्ति होती है। पाइप-लाइनों के द्वारा उसकी फैक्टरी से ग्राहक को पी टी ए भेजने में उपयोग की गई नाइट्रोजन की लागत के आधार पर यू एस डालर \* \* \* के अन्तरण शुल्क का दावा किया गया है।

21. सभी निर्यातकों ने समायोजन का दावा निर्यातकों द्वारा केवल अपने घरेलू बाजार में दिए गए ऋण के लिए किया है। सुंक्योग ने जिस अवधि के लिए घरेलू बाजार के ग्राहकों को ऋण प्रदान किया गया, उसे प्रमाणात किए बिना ही इसके लिए समायोजन का दावा किया है। टुन्टेक्स ने इस कारण से किए गए दावे के समर्थन में कोई प्रमाण नहीं दिया है। इन निर्यातकों का दावा इस तर्क पर आधारित है कि निर्यातकों ने घरेलू बाजार में ऋण के आधार पर ये बिक्रीयां की हैं जबकि भारत को किए गए निर्यात में ऋण शामिल नहीं था। किन्तु इस दावे के समर्थन में विशेषकर भारत को निर्यात के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं है। निर्यातकों ने भारत को निर्यात से संबंधित सभी दस्तावेजों की छाया प्रतियां प्रस्तुत नहीं की हैं। किन्तु, प्राधिकारी के पास उपलब्ध प्रमाण से यह पता चलता है कि ऋण के आधार पर निर्यात किए गए थे, जो कि उच्चतम 180 दिन तक की अवधि के थे। इस प्रकार प्राधिकारी ने, प्रारम्भिक निर्धारण के उद्देश्य से ब्याज के लिए समायोजन को अनुमति नहीं दी है। प्राधिकारी ने प्रारम्भिक निर्धारण के उद्देश्य से उपरोक्त में बताए गए को छोड़कर अन्य सभी समायोजनों की अनुमति दी है।

## ( VI ) इण्डोनेशिया से निर्यात

22. इण्डोनेशिया के किसी भी निर्यात ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं भेजा है। प्राधिकारी यह समझते हैं कि इण्डोनेशिया के निर्यातक प्राधिकारी से सहयोग करने में असफल रहे हैं। चूंकि इण्डोनेशिया के ये निर्यातक सहयोग करने में असफल रहे हैं, इसलिए इन निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी ने अलग

अलग प्रतिपाटन सीमा निर्धारित नहीं की है। प्राधिकारी ने इण्डोनेशिया के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण उसी आधार पर किया है, जो कि जांच शुरू होने के समय अपनाया गया था, अर्थात् पी सी आई में प्रकाशित कीमतों के आधार पर चूंकि इण्डोनेशिया के किसी भी हितबद्ध पक्ष ने सामान्य मूल्य के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है, इसलिए प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए सामान्य मूल्य के उसी स्तर पर विचार किया है, जैसा कि जांच शुरू करने के समय अपनाया गया था।

23. तुलना से संबंधित नियम निम्नानुसार हैं :

“डंपिंग का मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासम्भव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अंतर में शामिल है बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा कोई अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।”

24. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने निर्यातकों, आयातकों तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को हिसाब में लिया। प्राधिकारी ने प्रत्येक निर्यातक के मामले में भारित औसत सामान्य मूल्य के साथ औसत निर्यात कीमत की तुलना महीना दर महीना आधार पर की है।

25. तुलना से निम्नलिखित सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य तथा डंपिंग मार्जिन दिखाई देता है :

यू एस डालर प्रति एम टी

क्र. सं.	निर्यातक का नाम	प्रतिपाटन सीमा**
क.	कोरिया आर पी से निर्यात	
1.	सामसुंग	3.13%
2.	सुंक्ष्योंग	8.65%
3.	कोहाप	2.31%
ख.	थाइलैंड से निर्यात	
1.	टुनटेक्स	8.61%
ग.	इण्डोनेशिया से निर्यात	14.97%

\*\*टिप्पणी : प्रतिपाटन सीमा निर्यात कीमत का प्रतिशत है।

झ. क्षति :

26. ऊपर नियम II अनुबंध-2 के अंतर्गत जब क्षति का निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा। ऐसा करते समय सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें शामिल हैं—डम्प किए गए आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनका प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव। कीमतों पर डम्प किए गए आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में डम्प किए गए आयातों द्वारा कीमतों में पर्याप्त कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में कीमतों को अन्यथा कम करना या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गई होती।

27. ऊपर नियम II के तहत अनुबंध II (iii) में यह भी व्यवस्था की गई है कि यदि एक से अधिक देशों से होने वाले उत्पाद के आयात की प्रतिपाटन जांच होती है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित निर्धारित करने के बाद ही ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करेगा।

(क) प्रत्येक देश में आयातों के संबंध में प्रमाणित डंपिंग का मार्जिन 2% से अधिक है जो निर्यात कीमत की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त है तथा प्रत्येक देश से होने वाले आयात की मात्रा समान वस्तुओं के आयात का 3% है या जहां प्रत्येक देश का निर्यात 3% से कम है वहां संचयी आयात समान वस्तुओं के आयात का 7% से अधिक बैठता है; और

(ख) आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आधारित सामान तथा वैसे ही घरेलू सामान के बीच प्रतियोगिता की शर्तों को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त है।

28. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डंपिंग का मार्जिन तथा थाइलैंड, कोरिया, गणराज्य तथा इण्डोनेशिया इन सभी विषयाधीन देशों से होने वाले आयातों की मात्रा निर्धारित सीमाओं से अधिक है। आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि विषयाधीन देशों की निर्यात कीमत तथा याचिकाकर्ता कम्पनियों से आपूर्तियाँ भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों से सीधे ही प्रतियोगिता में हैं।

29. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने ऊपर नियमों के अनुबंध II (iv) के अनुसार ऐसे सूचकों पर विचार किया है, जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, कुल बिक्री आय, डंपिंग मात्रा तथा मार्जिन आदि।

## (क) पाटित आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा

30. भारत में पी टी ए का आयात 63173 मी. टन (1994-95) से बढ़कर 99104 एम टी (1995-96) हो गया तथा जांच अवधि के दौरान यह 119916 मी. टन था (वार्षिक आधार पर 205570 मी. टन) विषयाधीन देशों से आयात 29421 मी. टन (1994-95) से बढ़कर 62385 मी. टन (1995-96) और जांच अवधि में यह 85874 एम टी (वार्षिक आधार पर 147213 मी. टन) हो गया।

31. विषयाधीन देशों से संगत अवधि के दौरान प्रति एम. टी. भारत औसत सी आई एक आयात कीमत 26784 रु. पी एम टी (1994-95) से बढ़कर 49180 रु. पी एम टी (1995-96) हो गई और जांच अवधि में गिरकर 23965 रु. पी एम टी हो गई।

## (1) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

32. घरेलू उद्योग द्वारा डी एम टी का उत्पादन 113773 मी. टन (1994-95) से बढ़कर 134540 मी. टन (1995-96) हो गया और यह जांच अवधि के दौरान 76752 मी. टन (वार्षिक आधार पर 131575 मी. टन) रहा। बी डी एम सी ने अपनी स्थापित क्षमता को 1994-95 में 145000 मी. टन से बढ़ाकर जांच अवधि के दौरान 165000 मी. टन तक कर लिया और संगत अवधि में घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 78.46% (1994-95), 92.79% (1995-96) और 79.70% (जांच अवधि के दौरान) था। बी डी एम सी का अपना उत्पादन माह मई और जून, 1996 में अत्यंत निचले स्तर पर रखना पड़ा था। यद्यपि बी डी एम सी ने अपनी क्षमता को जांच अवधि के दौरान बढ़ाया है, इसने माह अप्रैल, 96 में अपनी क्षमता उपयोग को 96.05% किया और माह, अक्टूबर, 96 में 106% पार कर लिया और इसलिए क्षमता उपयोग में कमी को क्षमता वृद्धि का परिणाम नहीं माना जा सकता है।

## (II) सम्पूर्ण मात्रा में बिक्री

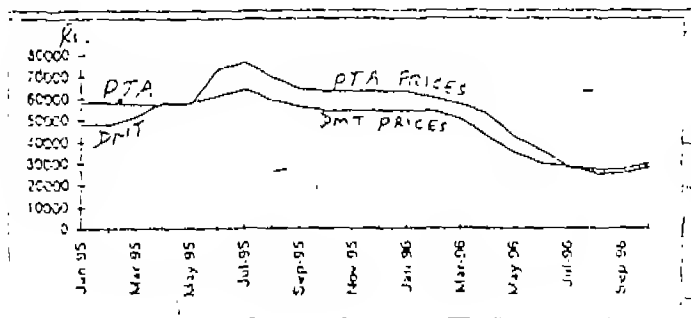
33. घरेलू उद्योग की सम्पूर्ण मात्रा में बिक्री 112166 मी. टन (1994-95) से बढ़कर 132441 मी. टन तक हो गई और यह जांच अवधि के दौरान 79628 मी. टन (वार्षिक आधार पर 136505 मी. टन) हुई। तथापि बिक्री मात्रा में इस वृद्धि को स्थापित क्षमता और उत्पादन में वृद्धि, जैसा कि पूर्ववर्ती पैरा से स्पष्ट होता है, एवं घटती हुई आय जैसा कि निम्नलिखित पैरा में उल्लिखित है, के सन्दर्भ में देखना होगा।

## (III) बिक्री कीमत प्रवृत्ति

34. बी डी एम सी ने तर्क दिया कि डी एम टी और पी टी ए की कीमत का रुख समान दिशा में रहता है। उसने आगे यह भी कहा कि 194 किग्रा डी एम टी, 192 किग्रा पी ई टी और 64 किग्रा एम ई ओ एवं देता है, जबकि 166 किग्रा पी टी ए 192 किग्रा पी ई टी देता है। जिसके परिणामस्वरूप डी एम टी और पी टी ए का तुल्य अनुपात 1 : 1687 है। इसलिए पी डी एम सी ने यह तर्क दिया है कि डी एम टी और पी टी ए की कीमतों में निम्नलिखित संबंध है :—

डी एम टी कीमतें	अनुपात	पी टी ए कीमतें
20	1.030	20.67
25	1.060	26.50
30	1.079	32.36
40	1.101	44.05
50	1.115	55.73
60	1.125	67.42

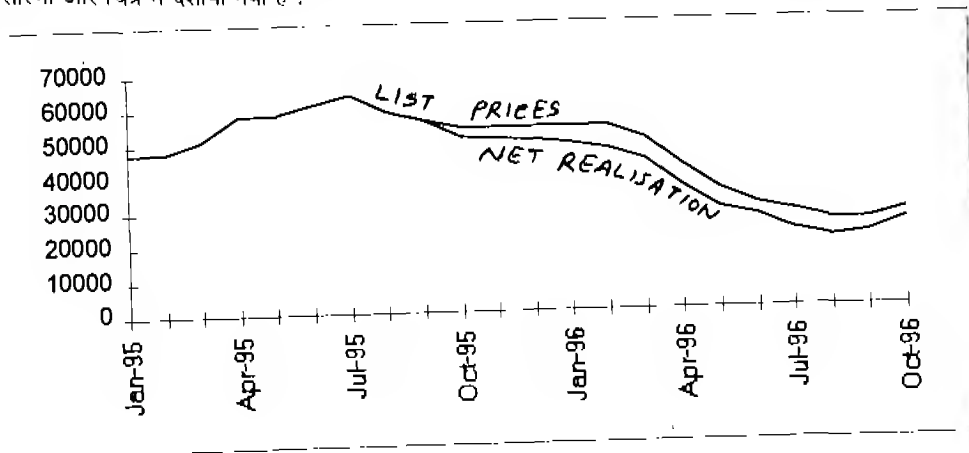
35. आर आई एल और बी डी एम सी के बारे में डी एम टी और पी टी ए के सूची मूल्यों का एक विश्लेषण जनवरी, 1995 से नीचे की सारणी और चित्र में दर्शाया गया है :—



यहाँ यह मानने के लिए उचित संकेत है कि डी एम टी और पी टी ए की कीमत का रूख समान दिशा में होता है और डी एम टी की कीमत पी टी ए की कीमत से नीची रहती है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में बी डी एम सी ने तर्क दिया है कि सम्बद्ध देशों से पी टी ए के आयात के कारण उसे अपने डी एम टी की कीमत उन ग्राहकों के लिए भी कम रखने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो पी टी ए का उपयोग नहीं करते हैं या जिसके पास पी टी ए के उपयोग की सुविधा नहीं है। उन्होंने इसके लिए साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि इसके ग्राहक सम्बद्ध देशों से आयात किए गए पी टी ए के प्रचलित मूल्य को देखते हुए डी एम टी की कीमत कम रखने की मांग कर रहे हैं। अतः यह दर्शाने के लिए समुचित साक्ष्य दिया गया है कि घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमतें उन ग्राहकों के मामले में भी कम रखने के लिए बाध्य होना पड़ा जो पी टी ए का उपयोग नहीं करते हैं या नहीं कर सकते हैं, परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय क्षति हुई।

36. जनवरी 1995 से बी डी एम सी के सूची मूल्य और औसत मासिक निवल बिक्री वसूली (उत्पाद शुल्क और छूट छोड़ने के बाद) का ब्यौरा नीचे की सारणी और चित्र में दर्शाया गया है :—



निवल वसूली जो माह जुलाई, 1995 में 64000 रु. प्रति मी. टन थी, तेजी से घटकर माह अगस्त, 1996 में 20116 रु. प्रति मी. टन तक नीचे आ गई। यह भी देखा गया कि घरेलू उद्योग जो कि सितम्बर, 1995 तक सूची मूल्य पर बिक्री कर रहे थे उन्होंने अक्टूबर, 1995 से बढ़ा देना शुरू कर दिया। बिक्री वसूली में कमी के साथ-साथ घरेलू उद्योग द्वारा छूट दिए जाने की स्थिति में 'डम्पिंग' की वजह से तथा पैराक्सीलिन की कीमतों में गिरावट के कारण आई जैसा के नीचे के पैराग्राफ में उल्लेख किया गया है।

37. पैराक्सीलिन की कीमत (जिसे इसके बाद पी एक्स कहा जाएगा) 1036 अमरीकी डालर प्रति मी. टन (क्यू 1, 1996) को उच्चतम स्तर से तेजी से गिरकर 470 अमरीकी डालर प्रति मी. टन (क्यू 4, 1996) (अमरीकी और खाड़ी के रास्ते से दोनों मूल्य) जो कि भारतीय निर्यातकों द्वारा चुकाया जाता है) तक नीचे आ गई। इसलिए बिक्री वसूली में कमी भी पी एक्स के मूल्य में गिरावट के कारण से आई। तथापि जैसा कि नीचे की सारणी और चित्र से देखा जा सकता है, पी एक्स की कीमत में गिरावट के फलस्वरूप उत्पादन लागत में आई गिरावट की तुलना में बिक्री वसूली में गिरावट बहुत अधिक थी।

रुपया प्रति मी. टन

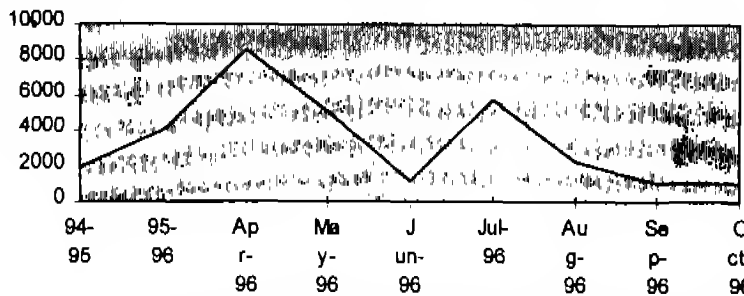
1	डी एम टी (निवल वसूली)	डी एम टी के पी एक्स की प्रति मी. टन लागत	पूर्ववर्ती महीने की तुलना में वृद्धि	
			डी एम टी	पी. एक्स
2	3	4	5	
जनवरी 95	***	***		
फरवरी 95	***	***	0	0
मार्च 95	***	***	3250	0
अप्रैल 95	***	***	7000	3715
मई 95	***	***	0	-149
जून 95	***	***	3000	0
जुलाई 95	***	***	3000	3090
अगस्त 95	***	***	-5000	0
सितम्बर 95	***	***	-3000	243

1	2	3	4	5
अक्टूबर 95	***	***	-5168	1960
नवम्बर 95	***	***	-363	1169
दिसम्बर 95	***	***	-796	-517
जनवरी 96	***	***	-904	48
फरवरी 96	***	***	-1603	837
मार्च 96	***	***	-3501	0
अप्रैल 96	***	***	-7677	-1152
मई 96	***	***	-6875	0
जून 96	***	***	-2051	0
जुलाई 96	***	***	-4498	-9876
अगस्त 96	***	***	-2448	0
सितम्बर 96	***	***	1122	0
अक्टूबर 96	***	***	4193	-2875

जबकि ब्यू 2, 1996 में पी एक्स की कीमतें 56 यू एस डालर तक गिरी हैं (जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत में 1381 रु. प्रति मी. टन तक कमी आई है), बिक्री वसूली 48769 रु., प्रति मी. टन (जन. '96) के स्तर से तेजी से घटकर 27062 रु. प्रति मी. टन (जून '96) तक हो गई। इसके अतिरिक्त, जबकि पी एक्स की कीमतें ब्यू 2,96 और ब्यू 3,96 के बीच 395 यू एस डालर कम हुई हैं जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत में 9876 रु. की कमी आई है), बिक्री वसूली में अप्रैल, 96 तक 15872 प्रति मी. टन की गिरावट आई है। इसलिए घरेलू उद्योग को बिक्री वसूली में जो कमी हुई है वह पी एक्स की कीमतों में गिरावट की वजह से इसकी उत्पादन लागत में हुई कमी से बहुत अधिक है।

#### (IV) स्टॉक

38. घरेलू उद्योग के पास डी एम टी का स्टॉक नीचे दी गई आकृति में दिखाया गया है :-



स्टॉक स्थिति लगभग स्थिर रही है, जो ऐसा नहीं दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को प्रत्यक्ष क्षति हुई है।

#### (V) लाभ/हानि

39. याचिकाकर्ता — डी एम टी के उत्पादन और बिक्री के अतिरिक्त कई अन्य क्रिया-कलापों में भी संलग्न है। इसलिए भारतीय बाजार में पी टी ए/डी एम टी की बिक्री से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रकाशित वार्षिक लेखाओं में दिए गए लाभ/हानि के आंकड़ों पर निर्भर नहीं किया जा सकता। तथापि बी डी एम सी ने ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं, जो जांच दल द्वारा भी प्रमाणित किए गए हैं, जो यह दर्शाते हैं कि कंपनी को उचित बिक्री कीमतों से काफी कम कीमतों पर डी एम टी की बिक्री करने से जांच अवधि में वित्तीय हानि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप \*\*\* रु. प्रति मी. टन (1995-96) तथा \*\*\* रु. प्रति मी. टन (1994-95) के लाभ की तुलना में \*\*\* रु. प्रति मी. टन की वित्तीय हानि हुई, जैसा कि नीचे दी गई सारणी से देखा जा सकता है :

वर्ष	बिक्री की लागत	निबल औसत बिक्री/वसूली	लाभ/हानि
1992-93	***	***	***
1993-94	***	***	***
1994-95	***	***	***
1995-96	***	***	***
जांच अवधि	***	***	***



**ग. क्षति संबंधी निष्कर्ष**

- परिस्थितियाँ संबंध देशों से आयातों के लिए संचयी आधार पर क्षति पर विचार-विमर्श का अधिकार देती हैं;
- जांच अवधि के दौरान संबंध देशों से पी टी ए के आयातों में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है;
- देश की कुल मांग में संबंध देशों के हिस्से में जांच अवधि के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है;
- संबंध देशों से पी टी ए के निर्यातों ने घरेलू उद्योग को अपने डी एम टी की कीमतें अलाभप्रद स्तर तक लाने के लिए मजबूर किया और घरेलू उद्योग को अपनी उचित बिक्री कीमत वसूली करने में रुकावट डाली, जिससे घरेलू उद्योग को वित्तीय हानि हुई। इस तथ्य के बावजूद कि उपभोक्ताओं ने इस अवधि के दौरान पी टी ए का उपभोग नहीं किया;
- घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न संकेतकों जैसे—उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्राएं, औसत बिक्री अधिप्राप्ति, स्टॉक हानि से सामूहिक और संचयी रूप से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक रूप से हानि हुई है यद्यपि कुछ पैरामीटरों में सुधार हुआ है।

इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई है।

**घ. कारणात्मक संबंध :**

40. यह पता लगाने के लिए कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबंध देशों से हुए आयातों के कारण हुई है, प्राधिकारी ने विचार किया कि संबंध देशों से किए गए पी टी ए के निर्यातों ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें अलाभकारी स्तर तक कम करने को मजबूर किया, और इसे इसकी उचित बिक्री कीमत प्राप्त करने से रोका जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय हानि हुई। इस संबंध में प्राधिकारी ने बी डी एम सी द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों पर भरोसा किया जो यह सिद्ध करते हैं कि उसके उपभोक्ताओं ने इस बहाने कम कीमतों की मांग की कि बाजार में पी टी ए अपेक्षाकृत कम कीमत पर उपलब्ध था, हालाँकि ये उपभोक्ता किसी भी प्रकार से पी टी ए के उपभोक्ता नहीं थे अथवा जांच अवधि के दौरान इन्होंने पी टी ए का उपभोग नहीं किया और यह भी कि बिक्री वसूली में जो गिरावट आई वह पी एक्स की कीमतों में गिरावट की वजह से उत्पादन लागत में गिरावट की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से अधिक थी।

**ड. उचित बिक्री मूल्य :**

41. प्राधिकारी द्वारा उचित बिक्री कीमत का निर्धारण करने के लिए अपनाई गई कार्य पद्धति निम्नानुसार है :

सिफारिश की गई उत्पादन की लागत तथा उचित बिक्री कीमत जांच की अवधि के लिए है। चूंकि इस अवधि में पूर्ण लेखांकन वर्ष शामिल नहीं है इसलिए यह सूचना अधिकांशतः आंतरिक नियंत्रण और/या रिपोर्ट प्रयोजन के लिए रखे गए कंपनी के वित्तीय लेखाओं से ली गई है। यह कम्पनी बहु-उत्पाद, बहु-स्थानीय, विविधकृत कंपनी हैं और वार्षिक लेखे डी एम टी के व्यय तथा उत्पादन लागत के बारे में पूर्ण तस्वीर प्रस्तुत नहीं करते हैं।

उत्पादन की लागत कंपनी द्वारा किए गए व्यय की मदों के लिए वस्तुवार आंकलित की गई है। उचित बिक्री कीमत निकालने के लिए उत्पादन की लागत में उचित प्रतिफल को जोड़ा गया है। उत्पादन लागत के ब्यौरे और आंकलित की गई बिक्री कीमत पर नीचे विचार किया गया है :—

(क) कच्चे माल की लागत : डी एम टी के विनिर्माण में पैराक्सलीन (इसके बाद इसे पी एक्स कहा जाएगा) तथा मैथानोल की आवश्यकता होती है। कच्चे माल की लागत की अनुमति पिछले तीन वर्षों की प्रमुख कच्चे माल उपभोग की गई वास्तविक मात्राओं, जो भी कम हो, के मानदण्डों तथा इसके साथ-साथ जांच की अवधि के लिए वास्तविक कच्चे माल की दरों के अनुसार की गई है।

कंपनी ने जांच की अवधि के लिए मदवार प्रारंभिक स्टॉक, खरीद, अंतिम स्टॉक तथा पी एक्स और मैथानोल की खपत को दर्शाने वाला एक विवरण पत्र प्रस्तुत किया है। कच्चे माल की कीमतों का आंकलन जांच करने के बाद विवरण पत्र के आधार पर किया गया है।

(ख) उपयोगिताएं : बाम्बे डाईंग से उपयोगिताएं उपभोग विवरण-पत्र देने के लिए अनुरोध किया गया है जिसमें वे 1992-93 से उपभोग संबंधी मानदण्ड (उत्पादन की प्रति इकाई मानक खपत), उपभोग की प्रति इकाई वास्तविक खपत तथा जांच अवधि के लिए उपयोगिता की दरें दर्शाई गई हों। इन पर निर्भर किया गया है। प्रति इकाई उत्पादन की उपयोगिताओं की कुल लागत का निर्धारण करने के लिए जांच की अवधि के लिए इन उपयोगिताओं की प्रति इकाई उत्पादन के हिसाब से वास्तविक लागत पर विचार किया गया है। उपयोगिता लागत की अनुमति उपभोग मानदण्डों के अनुसार या पिछले तीन वर्षों के लिए वास्तविक खपत मात्रा, जो भी कम हो, तथा जांच की अवधि के लिए वास्तविक उपयोगिता की दरों के अनुसार दी गई है।

(ग) उपरी खर्चें : बाम्बे डाईंग ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित फारमेट में जांच की अवधि के लिए उत्पादन के ऊपरी खर्चों की कुल लागत तथा प्रति इकाई लागत को दर्शाने वाला एक विवरण-पत्र प्रस्तुत किया है। उन्होंने विवरण-पत्र अपने वित्तीय लेखों से तैयार किए गए विवरण-पत्रों से संकलित किया है। जांच दल ने इनका सत्यापन किया है और उन पर निर्भर किया गया है। वस्तुवार इकाई लागत का आंकलन इन विवरण-पत्रों के आधार पर तैयार किया गया है।

(घ) प्रतिफल : लगाई गई पूंजी पर xxx% की संगत प्रणाली के अनुसार प्रतिफल का आंकलन किया गया है।

(ड.) मानकीय स्तर पर लागत : क्षमता उपयोग के मानकीय स्तर पर लागतों का आंकलन किया गया है।

**च. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे**

42. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य यह है कि सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त किया जा सके जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति लाई जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है।

43. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से पी टी ए/डी एम टी के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जबकि लगाए जाने वाला पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक राशि तक ही सीमित कर दिया जाए। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क लगाने से डम्पिंग द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा। भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा और इस प्रकार पी टी ए/डी एम टी के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे। इस प्रकार पाटनरोधी उपायों से संबंध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

44. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा का पता लगाने के लिए प्राधिकारी ने भारत में पी टी ए/डी एम टी को उचित बिक्री मूल्य पर निर्भर किया है और इस संबंध में घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर अधिकतम उत्पादन लागत पर विचार किया है।

45. डम्प किए गए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करते समय घरेलू उद्योग को डम्पिंग के अतिरिक्त अन्य कारणों से हुई क्षति, यदि कोई है, पर विचार नहीं किया गया।

46. सीमा-शुल्क में कमी से स्वयं डम्पिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जहां तक क्षति का संबंध है, प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान प्रचलित सीमा-शुल्कों पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के स्तर की गणना की है।

#### घ. पहुंच कीमत

47. प्राधिकारी ने व्यक्तिगत निर्यातकों के लिए उनके द्वारा घोषित भारतीय औसत निर्यात कीमत में सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर तथा एक प्रतिशत उतराई और दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार शामिल करने के बाद पहुंच मूल्य की गणना की है।

#### ज. निष्कर्ष

48. प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि :

क. कोरिया गणराज्य, थाईलैंड तथा इंडोनेशिया मूल के अथवा वहां से निर्यातित पी टी ए का भारत को निर्यात उसके मूल्य से कम पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप डम्पिंग हुई;

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

ग. क्षति कुल मिलाकर (संबद्ध देशों) से होने वाले आयातों के कारण हुई है।

49. यह आवश्यक समझा जाता है कि जांच होने तक अंतिम रूप से निर्धारण होने तक संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित होने वाले पी टी ए के सभी आयातों पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए, ताकि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति से बचाया जा सके।

50. यह विचार किया गया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक निर्यात द्वारा किए गए आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योगों को उचित बिक्री कीमत से की गई जो कि जांच अवधि के लिए निर्धारित की गई थी जैसा कि उपर्युक्त पैरा 3. तथा छ में बताया गया है। जहां यह अंतर डम्पिंग मार्जिन से भी कम था, वहां क्षति की मात्रा से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से कोरिया गणराज्य, इंडोनेशिया तथा थाईलैंड उद्गम वाले या वहां से निर्यात किए जाने वाले पी टी ए के सभी आयातों पर सीमा-शुल्क टैरिफ के अध्याय के अंतर्गत अंतिम निपटान होने तक निम्नानुसार अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए :—

(रु. प्रति मी. टन)

क्र. सं.	उद्गम वाले या वहां से	निर्यातक का नाम	शुल्क की राशि (रु. प्रति मी. टन)
1.	कोरिया गणराज्य	सुनक्योंग इण्डस्ट्रीज लि., कोहाप पेट्रो कैमिकल कारपोरेशन, सैमसुंग पेट्रोकेमिकल्स कं. लि., कोई अन्य निर्यातक	1355 शून्य 463 1355
2.	थाईलैंड	टुनटैक्स पेट्रोकेमिकल्स (थाईलैंड) पब्लिक कं. लि., कोई अन्य निर्यातक	1769 1769
3.	इंडोनेशिया	कोई निर्यातक	3375

51. संबद्ध ज्ञात निर्यातकों, आयातों, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है। जो अपने विचारों से अवगत कराना चाहते हैं, वे इस पत्र के जारी होने की तिथि से 40 दिनों के भीतर आवेदन कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर विचार रख सकती है।

दीपक चटर्जी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE

## NOTIFICATION

New Delhi, the 4th September, 1997

Subject: Anti dumping investigation concerning imports of PTA  
from Thailand, Korea RP and Indonesia - Preliminary Findings

14/1/96-ADD<sup>o</sup>- Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. **PROCEDURE**

The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i. The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received two separate written applications from M/s. Bombay Dyeing & Manufacturing Company Ltd. (referred to as Bombay Dyeing or BDMC hereinafter) and Reliance Industries Ltd. (referred to as Reliance or RIL hereinafter) on behalf of the domestic Industry, alleging dumping of PTA originating in or exported from Thailand, the Republic of Korea (referred to as Korea or Korea RP hereinafter) and the Republic of Indonesia (referred to as Indonesia hereinafter). Reliance alleged dumping against Malaysia also;
- ii. SVC Superchem Ltd. and Indian Petrochemical Corpn. Ltd. also expressed their concern over dumping of PTA. While SVC Superchem expressed concern over dumping by Far East Producers, IPCL expressed concern over dumping by Korea RP, Indonesia and Far East;
- iii. Preliminary scrutiny of the application filed by BDMC revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented;
- iv. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioners, decided to initiate the investigations against imports of PTA from Korea RP, Indonesia and Thailand. The Authority notified the Embassies of these countries about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules;
- v. The Authority issued a public notice dated 20th Dec., 1996 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping Investigations

concerning imports of PTA, classified under custom heading 291736 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Thailand, Indonesia and Korea RP (referred to as the subject countries hereinafter);

- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the petitioners) and Industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- vii. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers of PTA in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- viii. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of PTA made in India during the past three years, including the period of investigation. No information was, however, received from CBECE;
- ix. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested;
- x. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the rule 6(4);
  - ◆ Sungkyong Industries Ltd., Korea RP (referred to as Sungkyong hereinafter);
  - ◆ Samsung Petrochemical Co., Ltd., Korea RP (referred to as Samsung hereinafter);
  - ◆ Kohap Petrochemical Corporation, Korea RP (referred to as Kohap hereinafter);
  - ◆ Tae Kwang Industrial Co. Ltd., Korea RP;
  - ◆ Tuntex Petrochemicals (Thailand) Public Co. Ltd., Thailand (referred to as Tuntex hereinafter);
  - ◆ Pertamina, Indonesia.

A number of parties requested for extension of time, which was allowed by the Authority by two weeks. Response to the questionnaire was filed by the following:

- ◆ Samsung;
  - ◆ Kohap;
  - ◆ Tuntex;
  - ◆ Sungkyong.
- xii. The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and

questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassies, alongwith a list of known exporters/producers;

- xii. A questionnaire was sent to the following known Importers of PTA In India calling for necessary Information in accordance with rule 6(4):

- ♦ Sanghi Polyesters Ltd., Hyderabad;
- ♦ Orissa Synthetics Ltd., Calcutta;
- ♦ Parasrampuria Synthetics Ltd., New Delhi;
- ♦ JCT Ltd., Hoshiarpur;
- ♦ Indian Organics Chemicals Ltd., Mumbai;
- ♦ India Polyfibres Ltd., Lucknow;
- ♦ Futura Polymers, Madras;
- ♦ DCL Ltd., Nagpur;
- ♦ K. Synthetics Ltd., Kanpur;
- ♦ Raymond Synthetics Ltd., Allahabad;
- ♦ Indo Rama Synthetics Ltd., Dhar;
- ♦ Pearl Engg. Polymers Ltd., New Delhi;
- ♦ Garware Polyesters Ltd., Aurangabad.

A number of parties requested for extension of time, which also was allowed by the Authority by two weeks. Response to the questionnaire was filed by the following:

- ♦ JCT Ltd.,
- ♦ Indo Rama Synthetics Ltd.,
- ♦ J K Synthetics Ltd.,
- ♦ Orissa Synthetics Ltd.,
- ♦ Parasrampuria Synthetics Ltd.,
- ♦ DCL Polyesters Ltd.,
- ♦ Indian Organics

- xiii. Additional Information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished by them;
- xiv. The Authority conducted on-the-spot Investigations at the premises of the petitioners;
- xv. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties.
- xvi. Cost Investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioners so as to ascertain if anti dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry;

- xvii. " \*\*\* " In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- xviii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 1996 to 31st Oct., 1996.

**B. PETITIONER'S VIEWS**

2. The petitioner has raised the following major issues in its petition and subsequent submissions:

- a) PTA is a like article to DMT -- both technically and commercially under the meaning of the definition of "like article" under the Rules. This is evidenced by the following:

i) DMT and PTA are both technically alternate raw materials to be used in the manufacture of polyester.

ii) Dual feed users can easily change over from DMT to PTA or vice versa depending on availability and commercial considerations.

iii) PSF, PFY and Polyester Film are sold under a competitive environment where the product quality and the price are the deciding factors and not the process employed for the manufacture or the raw materials used. Producers of DMT ensure that the DMT prices result in Polyester cost same as that produced with PTA as a feedstock. There is, therefore, commercial equivalence between PTA and DMT which varies from country to country and from time to time.

It is evident from the above that DMT and PTA are interchangeable products and that their prices are related to ensure that the end-product has the same cost structure for its producer,

- b) The prices of DMT bear a distinct relationship with the prices of PTA. BDMC had to reduce its prices of DMT even to those consumers who could not use PTA in view of falling PTA prices, resulting in injury to it from the dumped PTA imports.
- c) The PTA export price from the subject countries should be based on the quantities which landed in India between May-Nov., 1996, as the prices of DMT are based on the prices of PTA at which the orders are booked.
- d) In view of DMT/PTA new capacities projected for 1996-2000, the imports from the subject countries pose a threat of material injury to domestic industry.
- e) Anti dumping duty to the extent of 25 percent is required to compensate the domestic industry for the injury suffered by it.



**C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

3. The views expressed by the exporters, importers and other interested parties are briefly as under.

**(I) On Initiation of investigation:**

i) Bombay Dyeing filed petition on 20.12.96 and investigations were also initiated on 20.12.96. It is inconceivable that the Authority received the petition on 20.12.96, analysed the facts stated therein, came to a prima facie view about dumping and injury, notified the Governments of the exporting countries and initiated the investigations, all on the same day. IPCL supported the petition of Bombay Dyeing on 10.10.96, whereas the petition was filed on 20.12.1996. The Authority does not seem to have notified the Governments of the exporting countries.

ii) IPCL has alleged dumping from Korea, RP and Indonesia whereas Bombay Dyeing alleged dumping from Thailand also. There has been difference even among the petitioners as to the countries from which the product is allegedly being dumped. This casts a doubt on the transparency in the matter of initiation of the investigations by the Authority.

iii) The Authority has not satisfied itself about the adequacy and accuracy of the evidence with regard to normal value and export price with due care. In the light of the claims made and the evidence adduced by Bombay Dyeing, it is clear that the petition consists of a number of inconsistent figures. The petitioner has justified an anti dumping duty 23.1% based on the domestic price of PTA in Far East on 26.7.96 compared with the highest landed C&F export price. Dumping cannot be justified based on a single normal value, which is not specific to a country, but is all encompassing "Far East", and that too prevailing on one particular day, i.e. 26.7.96. Similarly the statement that the imports into India are between US \$ 460-521 appears to be without basis. The claim of dumping of 23.1% is untenable and should have been ignored. The petitioner has requested for a levy of a minimum of 25% duty.

**(II) On like articles:**

DMT and PTA are not like articles within the meaning of the rule 2(b). The argument is supported by the following:

i) Like Article means an article which is identical or alike in all respects. The article under investigation is PTA and there is an exactly identical product being manufactured in India by RIL. In view of existence of an exactly identical product in the domestic and export market, the investigation should be with respect to the material injury caused to the domestic manufacturers of PTA only.

Rule 2(b) specifically provides that another article having characteristics closely resembling the article under investigation has to be

considered in the absence of an article which is identical or alike in all respects.

Since RIL is the only manufacturer of PTA in India and has been disqualified from being included within the definition of domestic industry, there exist no manufacturer of the like article within India, who is eligible to file a petition for dumping of PTA. The investigation in its present form is, therefore, untenable. ii) The Indian Customs Tariff provides separate headings for the classification of PTA and DMT. While PTA has been classified under 2917.36, DMT has been classified under 2917.37.

- iii) The chemical formula of PTA and DMT are different. PTA has molecular weight of 166, whereas DMT has 194.
- iv) Hawley's condensed chemical dictionary has described DMT and PTA, which states that DMT and PTA have different end-use. While DMT is used for manufacturing polyester chips for film and fibre production, PTA is used, in addition, as a reagent for alkali in wool and as additive to poultry feeds.
- v) PTA and DMT are not universally substitutable. While it is true that PTA and DMT are both used for the manufacture of fibre, the petitioner himself has conceded that ".... domestic polyester producer has the option to change over to PTA if he has dual feed facilities ..." (emphasis added by the contender). It is, therefore, abundantly clear that PTA and DMT are entirely different products and even to use them interchangeably there must be a provision for dual feed facility.

(III) On dumping:

There are a number of price adjustments which are required to be made in the domestic selling prices in order to determine dumping. Taking into account these admissible adjustments, the dumping margin would be much lower than the difference indicated by the petitioners.

(IV) On injury:

- i) PSF manufacturers in India can be classified into three broad categories, those having technology and plant structure which can use:
- PTA only;
  - DMT only;
  - both PTA and DMT.

Manufacturers such as RIL, Indo Rama, Orissa Synthetics (OSL) cannot use DMT at all. BRPL, Swadeshi Polytex (SPL) can use DMT only. JCT, India Polyfibers (IPL), Indian Organic Chemicals (IOC) and JK Synthetics (JKS) can use both DMT and PTA. Thus, there are only four manufacturers who can switch between PTA and DMT and it is their import of PTA which, if at all, can injure the manufacturers of DMT. In this scenario, equating PTA with DMT as like articles and considering that import of PTA by all PSF manufacturers could cause injury to the DMT

manufacturers sounds highly illogical. This aspect appears to have escaped the attention of the Authority completely.

- ii) An analysis of the imported and domestic sourcing of DMT and PTA from the information made available by PSF manufacturers in India, in their response to the Authority, shows that there has been no material injury to the domestic industry because of PTA imports. To illustrate:
  - a) IOC and JKS had not used DMT during 1995-96 and 1996-97 and, therefore, cannot have injured domestic industry.
  - b) JCT had not imported PTA from any of the three countries during the last two years. In fact, JCT increased their domestic purchases of PTA from 1458 MT (1995-96) to 20072 MT (1996-97).
  - c) IPL has neither imported from the three subject countries nor procured domestically. They have also not imported DMT from the subject countries.
  - d) JKS reduced the quantum of imports from the three countries from 5516 MT (1995-96) to 510 MT (1996-97).
  - e) Parasrampurba (which uses DMT and PTA) neither imported from the subject countries nor purchased from domestic market. They have not imported DMT also.
  - f) DCL Polyester have been using only PTA and their sourcing within India has remained more or less the same.
  - g) Raymond Synthetics has not imported DMT, though their domestic sourcing declined from 13531 MT (1995-96) to 2976 MT (1996-97). There has been no significant increase in the quantum of PTA domestic sourcing or imports by Raymond Synthetics.
- iii) RIL has been operating at more than 125% of their installed capacity. Captive consumption of PTA by RIL has been increasing from year to year with a corresponding reduction in the quantity of PTA available for sale in the domestic market.
- iv) Capacity utilisation of BDMC has been in the range of 80-85% during the last three financial years. Sales of BDMC have also increased by about 18% in 1995-96 and 1996-97. Loss of market share due to imports, dumped or otherwise, is more an imagination than actual.
- v) RIL, BDMC, IPCL have all made considerable profits. Even though these companies are multi-product, it is common knowledge that each of their products has been operating profitably.
- vi) The fall in the prices of DMT and PTA for both RIL and BDMC is due to reduction in customs duty from 35% to 27%.

- vii) Fall in the international price has an impact on the domestic prices irrespective of whether the imports are dumped or not. Thus, a reduction in the domestic realisation is attributable to the fall in the international price of PTA and reduction in customs duty. The fall in the prices of Paraxylene also contributed to the fall in the domestic prices. Paraxylene prices declined from US \$ 1036 (Q 1, 1996) to US \$ 760 (Q 2, 1996), and US \$ 419 (Q 3, 1996) per MT.

If the reduction in selling prices is adjusted for the above factors, it will be seen that there is no causal link between the import prices of PTA and price depression in India.

(V) Other Issues:

- i) There are customs duties anomalies, which the Government of India have not rectified in spite of strong pleas by the interested parties;
- ii) PTA/DMT is produced world-wide by giant petrochemical companies, who are not in a position to store these goods. It is the distributors, who, depending upon the market, find it convenient to dispose off the material in the spot market at whatever prices they are able to realise. Question of dumping would, therefore, never arise;
- iii) Indian PTA/DMT producers price their product based on unreasonably high spot prices, which had cascading effect on the Indian PSF industry;
- iv) There is a monopolistic supply situation for PTA in India;
- v) Allegation of dumping should be considered with reference to the prices of Paraxylene;
- vi) When prices of PTA/DMT went up to US \$ 2000 pmt in 1994-95, the domestic PTA/DMT producers had made huge profits. These producers are continuously earning profits. There should be no intervention now when the global prices have come down. Competing market forces should be allowed to operate in a level playing field;
- vii) The problems faced by the DMT producers in India is due to global switch over to PTA in preference to DMT by the consumers;
- viii) The prices of PTA have since gone up. Since there is no trigger mechanism in the anti-dumping duty, even genuine imports would suffer the levy.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

4. The submissions made by the exporters, importers, petitioners and other interested parties have been examined, considered and have been dealt at appropriate places in this notification.

5. It is clarified that the BDMC filed a petition on 24.09.1996. The petitioner was asked to furnish additional copies of the non-confidential version of the petition filed for enabling the Authority to provide the same to the interested parties in accordance with Rule 6(3). The additional copies were supplied on 20.12.96. The contentions raised by the exporters in this regard are, therefore, incorrect. The Authority notified the Governments of the exporting countries on 12.12.1996.
6. With regard to differences among the petitioners as to countries from which the product is allegedly dumped, the Authority notes that the Authority has considered the petition filed by BDMC and Reliance. The complaints made by others, including IPCL are irrelevant for the purpose.
7. The Authority satisfied itself about the adequacy and accuracy of the evidence with regard to dumping, injury, and causal link between dumping and injury in accordance with Rule 5(2) before initiating the investigation. Mere existence of factual discrepancies in an application does not debar an applicant from seeking redressal of his grievance in accordance with the law, so long as the applicant has been able to demonstrate a prima facie case with reasonable burden.

**E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

8. The product considered in this report for the purpose of the present investigation is Purified Terephthalic Acid (popularly known as PTA and referred to as PTA hereinafter in this notification).
9. PTA is a white crystal or powder; insoluble in water, chloroform, ether, acetic acid; slightly soluble in alcohol; soluble in alkalis; sublimes above 300°C. Combustible. PTA is produced by oxidation of p-xylene or of mixed xylenes and other alkyl aromatics. PTA is used for production of linear, crystalline polyester resins, fibers, and films by combination with glycols; reagent for alkali in wool; additive to poultry feeds. The major usage of PTA is, however, for production of polyester fibre.
10. PTA is classified under the chapter 29 (under sub-heading 2917.36). The custom classification, manufacturing process and usage of the product indicated herein are, however, indicative only and are in no way binding on the scope of the product under consideration.

**F. LIKE ARTICLES**

11. Rule 2(d) relating to the definition of "like article" specifies that "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation, or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the article under investigation.

From the above definition of the term "like article", it is clear that the like article has to be identical or alike in all respects to the article under investigation. The scope of the term like article shall include those articles having closely resembling characteristics to those under investigation in the absence of articles identical or alike in all respects. Therefore, the usage of the words "in the absence of" is of critical significance for the interpretation of the term like article under the statute. There is no dispute that the words "in the absence of" have to be understood in the context of domestic industry alone whether there exists a "domestic industry" producing the "like article" or not. In other words, if there is no domestic industry producing identical article, the law permits the authorities to cover, in the scope of the term, even those articles which have closely resembling characteristics. In the instant case the petition has been made by the producers of PTA and DMT, on the ground that both of them are suffering injury on account of dumped imports of PTA from the subject countries. However, in view of the definition of the term "domestic industry" in the law, the only manufacturer of PTA, namely, RIL has been excluded. There is sufficient evidence and technical literature to suggest that even though DMT is not identical to PTA, DMT has been technically and commercially substituted by PTA and, therefore, it can be considered that in the absence of any "domestic industry" producing an article identical to PTA, it is DMT which is a like article in the context of these investigations.

G. **DOMESTIC INDUSTRY**

12. Petitions have been filed separately by M/s Bombay Dyeing & Manufacturing Company Ltd. and Reliance Industries Ltd. There are the following two more producers of PTA/DMT in India, in addition to the petitioners:  
M/s.  
♦ Indian Petrochemicals Corporation Ltd., Vadodara  
♦ Bongalgaon Refinery & Petrochemicals Ltd., Dhaliagon
13. In addition to the above, M/s. SVC Superchem is also setting up facilities for production of PTA. SVC Superchem has, however, not yet commenced commercial production. The petitioners have not alleged that the imports of PTA into India would materially retard the establishment of an industry in India.
14. Reliance has imported PTA from the subject countries during the investigation period and, therefore, cannot constitute domestic industry within the meaning of rule 2(b). Production of BDMC constitutes a major proportion of the total domestic production of DMT/PTA in India. BDMC, therefore, constitutes domestic industry within the meaning of the rules.

H. **DUMPING**

15. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:



- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
  - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

16. The Authority sent questionnaire to the exporters from the subject countries in terms of the section cited above. The normal value and export price in respect of the exporters who have furnished information to the Authority have been determined from the information furnished by them and the same is discussed hereinbelow. Since these exporters have furnished details of their prices in the home market, normal value has been determined in accordance with the Section 9A(1)c(i). The dumping margin in case of individual exporters have been analysed hereinbelow:

(i) **Exporter - Samsung Petrochemical Co., Ltd. (Samsung):**

17. The arguments raised and the claims made by Samsung are as under:
- a) The company has not directly exported to India. The sales have been made to an unrelated domestic market trader, who has in turn exported the goods to India. The company had sold on ex-works basis, on local L/C, at sight, cash basis. The sales in the domestic market were either on wholesale or retail basis. The wholesale sales (to the PSF consumers) were made to unrelated manufacturers, on local L/C (as raw material) payment basis.
  - b) Samsung has claimed the following price adjustments in the domestic prices and export prices to India:

i) Packing costs: The company has claimed different packing cost for the sales made in the domestic market (won \*\*\* pmt) and export markets (won \*\*\* pmt).

ii) Freight: Samsung has claimed that it has not incurred any expenditure on account of inland and ocean freight in cases of exports to India. The company has claimed freight of won \*\*\* pmt (US \$ \*\*\*) in case of sales in the domestic market. The freight expenses have, in the domestic market, been claimed on the basis of outside contractor fee and distribution centre expenses.

iii) Duty drawback: The company has claimed an amount of won \*\*\* pmt (US \$ \*\*\*) on account of duty drawback.

iv) Credit expenses: The company has claimed an amount of won \*\*\* pmt (US \$ \*\*\*) on account of credit extended by it in the domestic market. The claim has been made on the basis of average collection period of the sales in the domestic market (which has been claimed as \*\*\* days) and interest rate for the company's short term borrowings (which has been claimed as \*\*\*)

v) Unloading expenses: The company has claimed an adjustment amounting to won \*\*\* pmt (US \$ \*\*\*) on account of unloading facilities especially designed in customers' factory. The company has claimed that it incurred a total expenditure of won \*\*\* on this account during the relevant period.

(II) **Exporter - Tuntex Petrochemicals (Thailand) Public Company Ltd. (Tuntex):**

18. a.) Tuntex has claimed the following price adjustments in the export price to India:

- ◆ Inland freight (US \$ \$ \*\*\* pmt);
- ◆ Terminal handling charges (US \$ \*\*\* pmt);
- ◆ Ocean freight (US \$ \*\*\* pmt);
- ◆ Bill of lading fee (US \$ \*\*\* pmt).

Adjustment on account of inland freight has been claimed on the basis of some debit notes raised by a transport services company in Thailand, which indicates that the company has been debited @ Baht \*\*\* per \*\*\* MT container. Adjustment on account of ocean freight, B/L fee, and handling have been claimed on the basis of some invoices raised on the exporter, which indicate that invoices have been raised on the company @ US \$ \*\*\* per container on account of ocean freight, Baht \*\*\* per container on account of terminal handling charges (TMC) and Baht \*\*\* for B/L fee.

b) The following adjustments have been claimed in the selling prices in the domestic market:

- ♦ Inland freight (US \$ \*\*\* pmt);
- ♦ VAT (value added tax @ 7%, amounting to US \$ \*\*\* pmt);
- ♦ Interest (US \$ \*\*\* pmt);
- ♦ Drawback (US \$ \*\*\* pmt).

Adjustment on account of drawback has been claimed on the basis of volume of sales made in the home market and amount of duty.

Evidence with regard to inland freight (invoice raised by a transport company) indicates that the invoice of Baht \*\*\* was raised for transportation of \*\*\* MT goods, translating into an expense of US \$ \*\*\* pmt, as against US \$ \*\*\* pmt claimed by the company. Since the exporter has not furnished evidence suggesting that the inland freight paid during the investigation period averaged US \$ \*\*\* pmt, the Authority has allowed an adjustment of US \$ \*\*\* on this account.

**(III) Exporter - Sungkyong Industries Ltd. (Sungkyong):**

19. Sungkyong has not provided any supporting document, such as purchase order, invoice, bill of landing, rebate settlement, discounts information, pleading that the same is voluminous and is available for on-site verification. Sungkyong has claimed the following differences in the circumstances of sales:

i) Terms of payment: The exporter has claimed that the company allows approx. \*\*\* months trade credit for the domestic market whereas the exports are on the basis of at-sight local L/C. The exporter has argued that the opportunity cost for the credit extended in the domestic market should, therefore, be taken into account for a fair comparison.

ii) Quantity discounts: The exporter has claimed that it allows discount and/or rebate based on the sales quantity in domestic market and export markets. The exporter has, therefore, argued price comparisons on the basis of prices for similar quantity levels.

iii) On-going customer and spot customer: The exporter has claimed that it offers different price formula for its on-going customers, which can stabilise the price change and it may offer these customers the prices based on announced prices by market leader. The same is followed in case of exports also in case of on-going customers. The exporter has claimed that the price of its exports to India were, however, determined on a spot delivery basis, which might have created the sales price difference in certain market situation during short period of time. The exporter has further argued that its average price of spot customers and long-term on-going customers were, however, approximately the same. The exporter has, in view of the above, suggested the Authority to consider the same type of customers.

iv) Sungkyong has claimed the following price adjustments:

a) On export price.

- ◆ Commission: Sungkyong has exported through two trading companies, one of which is related to Sungkyong. The company has claimed that according to Korean law any price discrimination between related and unrelated parties is illegal. The company has further provided sale price structure by relationship separately for the related and unrelated company. It is found that the prices at which the goods have been sold by the exporter to the two companies are comparable. The company has shown commission paid to the related company (there is only one sale made through unrelated company), and has claimed that no commission was paid in case of the sale made through the unrelated company. The commission shown by the company ranged between \*\*\*% to \*\*\*% of the export price.
- ◆ Inland freight ranging between US \$ \*\*\* pmt to US \$ \*\*\* pmt.
- ◆ Handling charges ranging between US \$ \*\*\* pmt to US \$ \*\*\* pmt.
- ◆ Ocean freight of US \$ \*\*\* pmt, except for the export made through the unrelated company, in which case the amount is US \$ \*\*\* pmt.
- ◆ Duty drawback ranging between US \$ \*\*\* pmt to US \$ \*\*\* pmt.

It is considered appropriate to allow the adjustment on account of the above, as claimed.

b) On domestic market:

The exporter has claimed the following price adjustments in the selling prices in the domestic market:

- ◆ Inland freight ranging between US \$ \*\*\* pmt to US \$ \*\*\* pmt, with a declining trend from April, 1996 to Oct., 1996;
- ◆ Credit expenses ranging between US \$ \*\*\* pmt to US \$ \*\*\* pmt for sales made to the related customers, except for one sale in the month of \*\*\* 1996, wherein the amount claimed is US \$ \*\*\* pmt in which case the sales were made through an unrelated party.

(iv) Exporter - Kohap Petrochemical Company

20. Kohap has claimed the normal value in Korea RP and export price of the exports made to India on the basis of the following:

- a. Selling prices: Kohap has claimed selling price in the home market and export to India on the basis of average sales realisation from the sales in the respective market. Since the selling price has been claimed on the basis of actual sales made and value realised therefrom by the exporter in each of the month in the investigation period, the selling price claimed by the exporter have been accepted for the purpose of preliminary determination. In case of sales in the home market, the exporter has claimed that the same is exclusive of duty.
- b. Adjustments in the selling prices for exports to India: The exporter has claimed the following price adjustments in the average selling prices in case of exports to India (all adjustments are in US \$ pmt).

- i) Packing expenses (\*\*\*);
  - ii) Inland Freight (\*\*\*);
  - iii) Terminal handling charges (\*\*\*);
  - iv) Container tax (\*\*\*);
  - v) W/F (\*\*\*);
  - vi) Stuffing (\*\*\*);
  - vii) Customs (\*\*\*);
  - viii) Interest (\*\*\*);
  - ix) Overseas freight (\*\*\*);
- c. Adjustments in the selling prices in the home market: The exporter has claimed the following price adjustments in the average selling price for sales in the home market (all adjustments are in US \$ pmt):
- i) Inland freight (\*\*\*);
  - ii) Interest (\*\*\*);
  - iii) Container tax (\*\*\*);
  - iv) Transfer fee (\*\*\*);
  - v) Nego fee (\*\*\*);

Adjustment on account of interest has been claimed on the grounds that credit period for sales in the home market is \*\*\* days, whereas the exports are on the basis of L/C at sight. The exporter has claimed that it has two customers in the home market and supply to one customer is through pipelines. Transfer fee of US \$ \*\*\* has been claimed on the basis of cost of nitrogen used for transporting PTA through pipelines from its factory to its customer.

21. **Examination of the claims of the exporters by the Authority:**

Samsung has worked out the packing costs on the basis of material and labour costs involved. It is, however, found that the company has claimed higher labour cost on account of packing (won \*\*\* pmt) in case of domestic market as compared to exports (won \*\*\* pmt). The Authority has allowed the same amount of packing labour costs for the two markets. The revised packing cost for the exports comes to won \*\*\* pmt, which has been allowed as an adjustment.

All the exporters have claimed adjustment on account of credit purported to have been extended by the exporters only in their domestic market. Sungkyong has claimed adjustment on this account even without establishing the actual period for which credit was extended to the domestic market customers. Tuntex has not adduced any evidence in support of the claim made on this account. The claim of these exporters is based on the contention that the exporters have sold on credit in the home market, whereas the exports to India were without any credit. The claim is, however, unsubstantiated, especially with regard to the exports to India. The exporters have not furnished photocopies of all the documents relating to exports to India. The evidence available with the Authority, however, establishes that the exports were made on credits, ranging as high as 180

days. The Authority has, therefore, disallowed the adjustments claimed on account of interest for the purpose of preliminary determination.

The Authority has allowed all other adjustments, except as stated in the foregoing, for the purpose of preliminary determination.

(v) **Exporters from Indonesia:**

22. None of the exporters from Indonesia has furnished any response to the Authority. The Authority holds that the exporters from Indonesia have failed to co-operate with the Authority. Since these exporters from Indonesia have failed to co-operate, the Authority has not determined individual dumping margin in case of these exporters. The Authority has determined normal value in case of Indonesia on the same basis as was adopted at the time of initiation of investigation, i.e., on the basis of prices published in the PCI. The Authority notes that the variations in the claims by the co-operative exporters from Korea and Thailand are so significantly different that the normal value in case of Indonesia cannot be adjusted on the basis of claims made by any of the co-operative exporters. No adjustment has, therefore, been allowed in the normal value. The Authority has considered the same level of normal value and export price as was adopted at the time of initiation for the purpose of preliminary findings. The export price from Indonesia has, however, been adjusted on the basis of claims made by one of the co-operative exporters, in the absence of any information from the exporters from Indonesia.
23. The rules relating to comparison provides as follows:
- "While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."
24. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the exporters, importers, and petitioners. The Authority notes that there is significant decline in the selling prices in both the markets from April, 1996 to Oct., 1996 and some of the exporters have not exported in all the months of the investigation period. Comparison of normal value with export price on weighted average basis would, therefore, not represent the correct comparison. The Authority has compared weighted average normal value with weighted average export price on month-to-month basis for individual exporter.
25. The comparison shows the following normal value, export price and dumping margins:



US \$ per MT

SN	Name of the exporter	Dumping Margin **
<b>A. Exports from Korea RP</b>		
1.	Samsung	3.13 %
2.	Sungkyong	8.65 %
3.	Kohap	2.31 %
<b>B. Exports from Thailand</b>		
1.	Tuntex	8.61 %
<b>C. Exports from Indonesia</b>		14.97 %

\*\* Note : The dumping margins are percentage of export price.

### I. INJURY

26. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
27. Annexure II(iii) under rule 11 supra further provides that In case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that
- the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and
  - cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
28. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from each of the subject country, Thailand, Korea RP and Indonesia are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of Imports is appropriate since the export prices from the subject

countries were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.

29. For the examination of the impact of Imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

**a. Volume and Market Share of Dumped Imports**

30. Imports of PTA in India increased from 63173 MT (1994-95) to 99104 MT (1995-96) and were 119916 MT during the investigation period (205570 MT on annualised basis). Imports from the subject countries increased from 29421 MT (1994-95) to 62385 MT (1995-96) and were 85874 MT (147213 MT on annualised basis) in the investigation period.

31. The weighted average CIF import price per MT during the corresponding period from the subject countries increased from Rs. 26784 pmt (1994-95) to Rs. 49180 pmt (1995-96) and declined to Rs. 23965 pmt in the investigation period.

**b. Economic indicators affecting domestic industry:**

**i) Production and Capacity Utilisation:**

32. Production of DMT by the domestic industry increased from 113773 MT (1994-95) to 134540 MT (1995-96) and was 76752 MT (131575 MT on annualised basis) during the period of investigation. BDMC increased its installed capacity from 145000 MT in 1994-95 to 165000 MT in the investigation period and the capacity utilisation of the domestic industry in the corresponding periods were 78.46% (1994-95), 92.79% (1995-96) and 79.70% (investigation period). BDMC had to keep its production at very low levels in the months of May and June, 1996. Even though BDMC enhanced its capacity in the investigation period, it achieved capacity utilisation of 96.05% in the month of April, '96 itself and crossed 106% in the month of Oct., '96 and, therefore, the decline in capacity utilisation cannot be attributed to enhanced capacity.

**ii) Sales in Absolute Quantity**

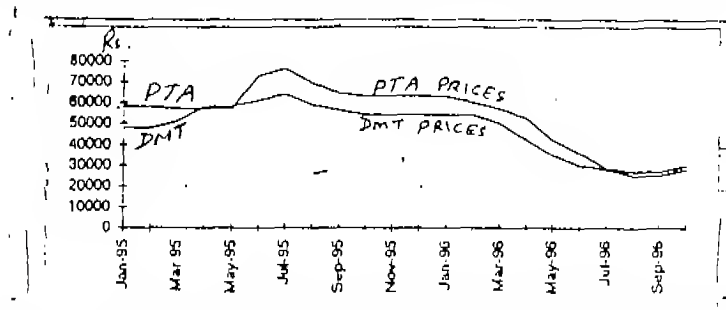
33. Sales of the domestic industry in absolute terms increased from 112166 MT (1994-95) to 132441 MT (1995-96) and were 79628 MT during the period of investigation (136505 MT on annualised basis). The increase in the sales volume, however, has to be viewed in the context of increased installed capacity and production, as brought out in the preceding paragraph and declining sales realisation, as discussed in the following paragraph.

iii) Selling Price Trend

34. BDMC argued that the prices of DMT and PTA move in the same direction. It further argued that 194 Kg. of DMT gives 192 Kg. of PET and 64 Kg. of MeOH, whereas 166 Kg. of PTA gives 192 Kg. of PET, resulting in stoichiometric ratio in DMT and PTA of 1.1687. BDMC has, therefore, argued that the DMT and PTA prices would bear the following relationship:

DMT Prices	Ratio	PTA Prices
20	1.030	20.67
25	1.060	26.50
30	1.079	32.36
40	1.101	44.05
50	1.115	55.73
60	1.125	67.42

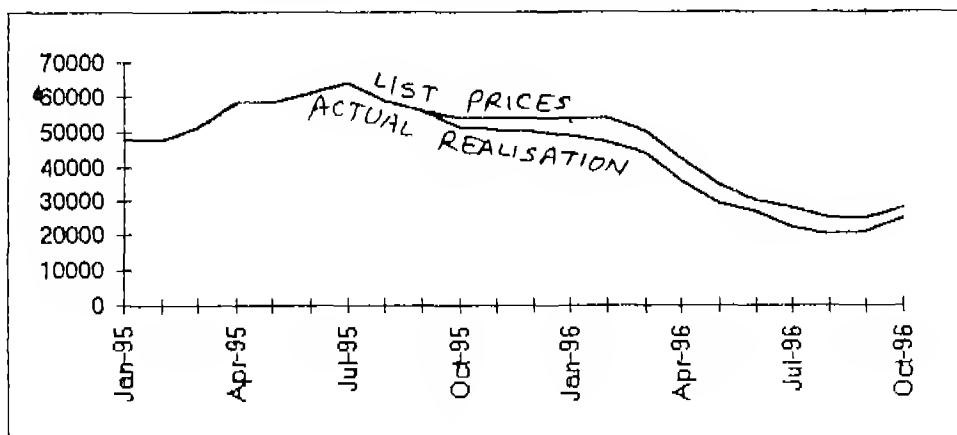
35. An analysis of the list prices of DMT and PTA since January, 1995 for RIL and BDMC reveals as shown in the figure below:



There is reasonable indication to believe that the prices of DMT and PTA move in the same direction and the prices of DMT remains lower than the prices of PTA.

BDMC has, in view of the foregoing, argued that it was forced to keep the prices of its DMT lower in view of imports of PTA from the subject countries, even for those customers who did not use or even did not have facilities to use PTA. It has furnished evidence indicating that its customers demanded lower prices for DMT in view of the prevailing prices of PTA from the subject countries. There is reasonable evidence, therefore, to suggest that the domestic industry was forced to lower its selling prices even for those customers who did not or could not use PTA, resulting in financial losses to the domestic industry.

36. List price of BDMC and monthly average net sales realisation (after excluding excise duty and discounts) since Jan, 1995 were as shown in the figure below.



The net realisations sharply declined from Rs. 64000 pmt in the month of July, 1995 to a low of Rs. 20116 pmt in the month of August, 1996. It is also seen that the domestic industry which was selling at the list prices upto Sept., 1995 started offering discounts from Oct., 1995. The declining sales realisations as also the discounts offered by the domestic industry were due to dumping as also declining prices of paraxylene, as discussed in the following paragraph.

37. The prices of Paraxylene (referred to as Px hereinafter) declined sharply from a peak of US \$ 1036 pmt (Q1, 1996) to a low of US \$ 470 pmt (Q4, 1996) (both US Gulf Course prices, as payable by the Indian importers). The decline in the sales realisation, therefore, was also due to decline in the prices of Px. However, as may be seen from the table and figure hereinbelow, the decline in the sales realisation was significantly higher than the decline in the cost of production as a result of decline in the costs of Px.

Rs. per MT

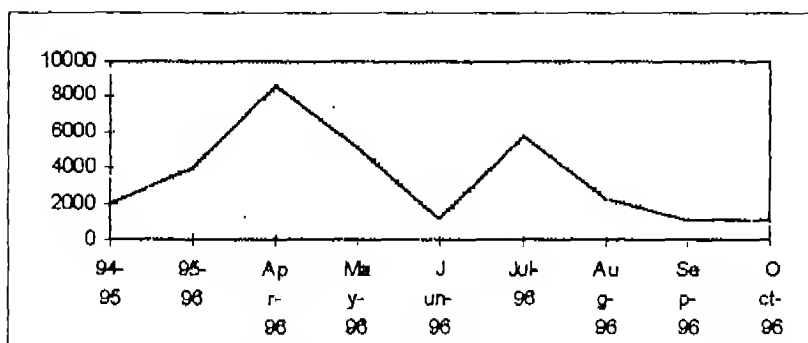
Month	D M T (Net Realization)	Cost of Px pmt of DMT	Increase over previous month	
			D M T	Px
Jan-95	stake	stake		
Feb-95	stake	stake	0	0
Mar-95	stake	stake	3250	0
Apr-95	stake	stake	7000	3715
May-95	stake	stake	0	-149
Jun-95	stake	stake	3000	0
Jul-95	stake	stake	3000	3090
Aug-95	stake	stake	-5000	0
Sep-95	stake	stake	-3000	243
Oct-95	stake	stake	-5168	1960
Nov-95	stake	stake	-363	1169
Dec-95	stake	stake	-796	-517
Jan-96	stake	stake	-904	48
Feb-96	stake	stake	-1603	857
Mar-96	stake	stake	-3501	0

Oct-95	शुद्ध	शुद्ध	-5168	1960
Nov-95	शुद्ध	शुद्ध	-363	1169
Dec-95	शुद्ध	शुद्ध	-798	-517
Jan-96	शुद्ध	शुद्ध	-904	48
Feb-96	शुद्ध	शुद्ध	-1603	837
Mar-96	शुद्ध	शुद्ध	-3501	0
Apr-96	शुद्ध	शुद्ध	-7677	-1152
May-96	शुद्ध	शुद्ध	-6875	0
Jun-96	शुद्ध	शुद्ध	-2051	0
Jul-96	शुद्ध	शुद्ध	-4498	-9876
Aug-96	शुद्ध	शुद्ध	-2448	0
Sep-96	शुद्ध	शुद्ध	1122	0
Oct-96	शुद्ध	शुद्ध	4193	-2875

Whereas the prices of Px declined in Q2, 1996 by US \$ 56 (resulting in reduction in cost of production by Rs. 1381 pmt), the sales realisation declined sharply from Rs. 48769 pmt (Jan., '96) to Rs. 27062 pmt (June, '96). Further, whereas the prices of Px declined by US \$ 395 between Q 2, '96 and Q 3, '96 (resulting in decline in the cost of production by Rs. 9876), the sales realisations declined by Rs. 15872 pmt from Apr., '96 to Aug., '96. The decline in the sales realisations to the domestic industry was, therefore, significantly higher than the decline in its cost of production attributable to decline in the Px prices.

iv) Stock

38. Stock of DMT with the domestic industry are as shown in the figure below:



The stock position is more or less constant, which does not directly show injury to the domestic industry. However, the relatively comfortable position with regard to stock level must be viewed in the context of the declining sales realisations.

v) Profit/Loss

39. The petitioners are engaged in a number of activities in addition of production and sale of DMT. The profit/loss reported by the petitioners in the published annual accounts cannot, therefore, be relied upon for assessment of injury to the domestic industry from

sale of PTA/DMT in the Indian market. BDMC has, however, furnished details, which have also been verified by the investigating team, which show that the company has suffered financial losses in the investigation period from sale of DMT at prices significantly below the fair selling price, resulting in financial losses of Rs. \*\*\* pmt (investigation period) as compared to a profit of Rs. \*\*\* pmt (1995-96) and Rs. \*\*\* pmt (1994-95), as may be seen from the table below:

Rs. per MT			
Year	Cost of Sales	Net Avg. Sales Realisation	Profit/Loss
1992-93	***	***	***
1993-94	***	***	***
1994-95	***	***	***
1995-96	***	***	***
Investigation period	***	***	***

c. **Conclusion on injury :**

- ♦ The circumstances warrant consideration of injury on cumulative basis for imports from the subject countries;
- ♦ The imports of PTA increased in absolute terms from the subject countries during the period of investigation;
- ♦ The share of the subject countries in the total demand in the country increased significantly during the investigation period.
- ♦ Exports of PTA from the subject countries forced the domestic industry to keep its prices of DMT to unremunerative levels, and prevented the domestic industry from recovering its fair selling price, resulting in financial losses to the domestic industry, in spite of the fact that the consumers did not consume PTA during the period.
- ♦ Various indicators relating to domestic industry such as production, capacity utilisation, sales quantities, average sales realisation, stock, losses collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury, even though some of the parameter show improvement;

It is thus seen the domestic industry has suffered material injury.

J. **CAUSAL LINK:**

40. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject countries, the Authority has considered that exports of PTA from the subject countries forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels, and prevented it from recovering its fair selling price, resulting in financial



losses to the domestic industry. The Authority has relied upon, in this regard, on the evidence presented by BDMC establishing that its customers demanded lower prices under the pretext of lower prices at which PTA was available in the market, in spite of the fact that these consumers were not consumers of PTA at all or did not consume PTA during the investigation period and that the decline in the sales realisation was significantly higher than the decline in cost of production attributable to the decline in the prices of Px.

K. **FAIR SELLING PRICE:**

41. The methodology adopted by the Authority for determination of fair selling price is as follows:

The cost of production as also fair selling price considered is for the investigation period. Since the period does not include any completed accounting year, the information has been extracted largely from the company's financial accounts for internal control and/or report purposes. The company is a multi-product, multi-location, diversified company and annual accounts do not show complete picture with regard to the expenses and the cost of production on DMT.

The cost of production has been worked out element-wise for items of expenditure incurred by the company. Fair return has been added to the cost of production for arriving at fair selling price. The details of cost of production and fair selling price worked out are discussed hereinbelow:

a) Raw material Cost: Manufacturing of DMT requires paraxylene and Methanol. The raw materials cost has been allowed as per norms for major raw-materials or actual consumption quantities for preceding three years, whichever is lower, alongwith the actual raw material rates for the investigation period.

The company furnished a statement showing item wise opening stock, purchases, closing stock and consumption of Px and Methanol for the investigation period. Raw material prices have been worked out on the basis of this statement, after verification.

b) Utilities: Bombay Dyeing was requested to provide utilities consumption statement showing therein consumption norms (standard consumption per unit of production), the actual consumption per unit of consumption since 1992-93 and the utilities rates for the investigation period. These have been relied upon. The actual costs of these utilities per unit of production for the investigation period have been considered to determine total cost of utilities per unit of production. Utilities cost has been allowed as per consumption norms or actual consumption quantity for preceding three years whichever is lower alongwith the actual utilities rates for the investigation period.

c) Overheads: Bombay Dyeing furnished a statement showing the total overheads costs and costs per unit of production for the investigation period in the format prescribed by the Authority. The statement has been compiled by the company from the statements prepared by it from their financial accounts, which have been verified by the investigating team and the same have been relied upon. Element wise unit costs have been worked out from these statements.

d) Return: Fair return has been worked out as per consistent practice of \*\*\*% on capital employed.

e) Cost at Normative Level: Costs have been calculated at a normative level of capacity utilisation.

L. **INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

42. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
43. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using PTA/DMT and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of PTA/DMT. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
44. To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon reasonable selling price of PTA/DMT in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry
45. Injury caused to the domestic industry from factors other than dumping, if any, have not been considered while recommending the amount of Anti Dumping Duty necessary to remove the injury to the domestic industry caused by dumped imports.
46. The reduction in custom duties in no way affect the dumping per se. In so far as the injury is concerned, the Authority has calculated the level of injury being faced by the domestic industry after considering the custom duties prevailing during the period of investigation.

**M. LANDED VALUE:**

47. The Authority has calculated landed value for individual exporter on the basis of weighted average export price declared by them, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

**N. CONCLUSIONS:**

48. The Authority concludes, after considering the foregoing, that:
- a. PTA originating in or exported from Korea RP, Thailand and Indonesia has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
  - b. the Indian industry has suffered material injury;
  - c. the injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.
49. It is considered necessary to impose anti dumping duties, provisionally, pending final determination, on all imports of PTA originating in or exported from the subject countries, pending investigations
50. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed prices of the imports for each exporter, for the purpose, were compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation, as detailed hereinabove in paras K and M. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of PTA originating in or exported from Korea RP, Indonesia and Thailand falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, pending final determination.

(Rs. per MT)

SN	Products originating in or exported from	Name of the exporter	Amount of Duty Rs. per MT
1.	Korea RP	Sungkyong Industries Ltd. Kohap Petrochemical Corporation Samsung Petrochemicals Co., Ltd. Any Other Exporter	1355 NIL 463 1355
2.	Thailand	Tuntex Petrochemical (Thailand) Public Co. Ltd. Any Other Exporter	1769 1769
3.	Indonesia	Any Exporter	3375

51. known exporters, importers, petitioners and other interested parties are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

(Dipak Chatterjee)  
Designated Authority

\*\*\*\*\*